आर्योदय
ARYODAYE

LET US LOOK AT EVERYONE WITH A FRIENDLY EYE
- VEDA

Aryodaye Weekly No. 269 | ARYA SABHA MAURITIUS | 1st May to 25th May 2013

Eduquons notre entourage

Om ! Kétum krinvannakétavé, pesho maryayā apéshassé samushdabhirjāyathāha.

Rig. Véda 1-6-3

Hé maryayāha – O les hommes! **Akétavé** – pour dissiper les ténèbres de l'ignorance, **Kétum** –propager la lumière du savoir ou de la connaissance, **Krinvana** – qui produit ou qui offre, **Apéshassé** – éliminer la misère, la pauvreté, les fléaux qui guettent la société, **Péshaha Krinvan** – embellir, réhabiliter, **Ushadbhiha** – avec l'aube, **Sam ajāyathāha** – vous êtes nés.

O Seigneur ! Les trois brins de la corde sacrée ("Yajopavit" ou "Janew" en Hindi) que nous portons, nous font réfléchir sur nos trois obligations ou nos trois redevances ("Rinne" en Hindi) à honorer dans notre vie.

Ces trois obligations sont :-

(i) "Rishi Rinne"– Nos redevances envers les sages et la Divinité.
(ii) "Dev Rinne" – Nos devoirs envers la nature et le Créateur.
(iii) "Pitri Rinne" – Notre reconnaissance et notre gratitude envers nos parents.

On peut s'acquitter de ces trois dettes de la façon suivante :

(i) 'Rishi Rinne' – En propageant l'éducation volontairement et avec désintéressement.
(ii) 'Dev Rinne' – Par le Yajna.
(iii) 'Pitri Rinne' – En se dédiant au bien-être de nos parents.

Dans ce mantra ou verset du Rig Véda, il y a l'emphase sur l'acquittement du "Rishi Rinne" ou "Brahma Rinne" – ayant comme but principal d'éliminer l'ignorance, la pauvreté, la misère, et les fléaux qui guettent la société.

L'étude des Védas nous enseigne à instruire les ignorants, à éduquer les illettrés, les réhabiliter et à produire de grands intellectuels, des sages, des savants, et des hommes de génie dans la société.

Il incombe à chaque personne éduquée ou à chaque intellectuel de propager l'éducation.

Dans ce mantra, il y a mention que l'homme est né avec l'aube et il doit se comporter comme tel.

La façon dont l'aube répand sa lumière, et chasse l'obscurité, chaque intellectuel doit se faire un devoir de promouvoir l'éducation dans son voisinage et d'éclairer l'esprit des gens.

Tout comme l'aube dissipe l'obscurité et étale devant nous le paysage avec toutes ses créatures actives, et la nature en toute sa beauté et sa splendeur, dans le même sens chaque citoyen éduqué doit se faire une mission solennelle d'éliminer dans son entourage les ténèbres de l'ignorance et de faire jaillir la lumière, la beauté, le dynamisme et les miracles de l'éducation.

N. Ghoorah

पल्लवन

धर्म-पत्नी

डॉ० उदयनारायण गंगू, ओ.एस.के, आर्य रत्न

धर्म-शास्त्र के नियमों के अनुसार ब्याही हुई स्त्री को 'धर्म पत्नी' कहते हैं। धर्म-पत्नी वही है, जो गृह-कार्य में निपुण है, पति को प्राणों के समान चाहती है, संस्कारवान् सन्तानों की जननी है, जो समस्त धार्मिक कार्यों का मूलाधार है। वह मधुरता, नम्रता, कोमलता, आज्ञाकारिता, उदारता, निस्वार्थ सेवा, प्रेम और भक्ति से सुभूषित होती है। वह समर्पण की देवी होती है। वह अपनी वाणी, मेधा, धृति और क्षमा-सम सम्पदाओं से सब पर शासन करती है। गीता कहती है –

'कीर्तिः श्रीवाक् च नारीणां,
स्मृतिर्मेधा धृतिः क्षमा।'

आज्ञाकारिता और समर्पण का अर्थ यह नहीं कि पति के अनुचित, अन्यायपूर्ण बात को पत्नी मान ले। पति के पापपूर्ण व्यवहार के सामने उसे शीश झुकाना नहीं है। उसमें पूरे परिवार को सन्मार्ग पर चलाने की क्षमता होनी चाहिए। वह धर्म, अर्थ, काम का आधार है। वह पति को भवसागर से पार करती है। पति की सच्ची मित्र होती है। धर्म-पत्नी पति को धर्म-पथ का पथिक बनाती है। यह तभी सम्भव होता है, जब वह आध्यात्मिक रूप से शक्ति-सम्पन्न होती है।

धर्मपत्नी के पद पर आसीन स्त्री जब धर्म-विरुद्ध आचरण करती है तब वह कुल-कलंकिनी बन जाती है, पितृकुल और पतिकुल दोनों का सर्वनाश कर डालती है। पति को पूजा योग्या, पुण्य कर्मवाली और गृह की शोभा बढ़ानेवाली लक्ष्मी-स्वरूपा पत्नी की पूर्णतया रक्षा करनी चाहिए।

मयि देवा द्रविणमा यजन्ताम् ।
(यजु० १९.२९)
कुशल क्षेम से पत्नी-समागम को प्राप्त होता है ।

सोमानं कृणुहि ब्रह्मणस्पते ।
(यजु० ३.२८)
हे ब्रहाणस्पति! परिश्रमी को यशस्वी बनाओ।

सम्पादकीय

देव-तुल्य मानव

माता-पिता को देवता माने जाते हैं। वे जीवन पर्यन्त अपनी संतानों के हित में ध्यान देते रहते हैं। उनकी भलाई में तप-त्याग और पुरुषार्थ करते रहते हैं। अपने प्राणों की परवाह किए बिना उनकी रक्षा में लगे रहते हैं। उन देव तुल्य मानव के महान् उपकारों का मूल्य नहीं लगा सकते हैं।

माँ-बाप से महान् दुनिया में और कोई अन्य प्राणी नहीं। माता तो जननी होती है अर्थात् जन्म देने वाली देवी होती है। वह अपनी संतानों की रक्षा करना सबसे परम धर्म समझती है। अपने पुत्र-पुत्रियों को अपनी जान का टुकड़ा मानती है। इसी प्रकार पिता तपस्वी बनकर अपने बच्चों के पालन-पोषण और शिक्षण आदि में अपना सारा जीवन गवाँ देता है। माता-पिता दोनों वृद्धावस्था तक अपने बच्चों को सुख प्रदान करने के लिए तत्पर रहते हैं। अतः सभी संतानों का कर्त्तव्य है कि वे अपने माता-पिता का आदर-सम्मान करें, उनको सुख, शान्ति तथा आनन्द दें।

देव तुल्य माता-पिता को बड़े प्रेमभाव से सेवा करना हर एक संतान का परम धर्म है। उनकी आज्ञा का पालन करना एक सुसंतान का कर्तव्य है। उनकी सारी आवश्यकताएँ पूरी करना उसका उद्देश्य है। जो पुत्र-पुत्रियाँ अपने माता-पिता को देवता के समान पूजते हैं, वे उनका आशीर्वाद प्राप्त करके मंगलमय रहते हैं, क्योंकि विश्व का सबसे बड़ा सुख और आनन्द तो माता-पिता के चरणों में होता है।

वैदिक विचार-धारा के अनुकूल जीवन व्यतीत करने वाले आर्य बंधु हमेशा मानव धर्म, वैदिक संस्कार और मानव मूल्य को प्रधानता देते हैं। वे अपने बच्चों को धार्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं, उनमें सुसंस्कार डालते हैं; उन्हें शिष्ट व्यवहार करने का ज्ञान देते हैं। उन सुसंस्कारी परिवारों में प्रेम, एकता, सहयोग, शिष्टता आदि गुण परिपूर्ण रहते हैं। ऐसे परिवारों में माता-पिता और वृद्ध जनों का बड़ा सम्मान होता है। और उन परिवारों में दुख की काली घटा कभी छा जाती है तो शीघ्र ही लुप्त हो जाती है।

काल परिस्थिति के साथ आज हमारी शिक्षा पद्धति में बड़ा बदलाव आ गया है। विज्ञान और टकनीकी युग में प्रवेश करके आज लोग धार्मिक ज्ञान, वैदिक संस्कार और मानव मूल्य की शिक्षा पर कम ध्यान दे रहे हैं। इस बहुमूल्य ज्ञान के अभाव में हमारे उभरते युवा वर्ग अशिष्ट व्यवहार करने लगे हैं। आदर, मान-सम्मान की भावना उनमें दिखाई देती ही नहीं। वे कुसंस्कारी बनकर बड़ों की अवहेलना करने लगे हैं। वे मातृ प्रेम सें बंचित हैं, पितृ सहयोग से दूर हैं। इसी कारण आज हमारे वृद्ध जन दुखी और चिन्तित हैं।

जिन माता-पिता जनों ने अपने पुत्र-पुत्रियों के पालन पोषण में अपना सम्पूर्ण जीवन व्यतीत कर दिया, वे आज वृद्धावस्था में अपने बच्चों का प्रेम प्राप्त करने के लिए ललायित हैं। उनकी थोड़ी सी मदद प्राप्त करने के लिए तरसते हैं। आज के युवा-युवती अलग जीवन गुज़ारते हुए तनाव और चिन्ता से ग्रसित हैं; उधर वृद्ध माता-पिता घर में अकेले पीड़ित हैं। युवा वर्गों की नादानी से वृद्धों की दयनीय स्थिति में कोई सुधार नहीं दिखता।

देव-तुल्य माता-पिता तो जीवन में एक ही बार प्राप्त होते हैं उनकी सेवा, सहायता और हर पल रक्षा करने का सौभाग्य प्राप्त करें, ताकि उनके हार्दिक आशीर्वाद से हमारा जीवन सुखी हों। मातृ-दिवस के अवसर पर समस्त संतानें यह प्रण करें कि वे अपने असहाय, असमर्थ वृद्ध माता-पिता का सहयोगी बनें, उनका कृतज्ञ बनें, क्योंकि माता-पिता के महान् उपकारों से हम कभी उऋण नहीं हो सकेंगे।

माता-पिता का प्यार और आशीर्वाद तो हमारे जीवन के लिए अमृत तुल्य होता है। हम अगर सारे भौतिक सुख भोगने के चक्कर में रहेंगे और अपने देव-तुल्य माता-पिता को तिरस्कृत करके उनसे दूर रहेंगे तो हमें सुख कहाँ? अतः हम सभी पुत्र-पुत्रियों से आग्रह करते हैं कि आप मातृ दिवस के अवसर पर अवश्य अपने जीवित देव तुल्य माँ-बाप का आशीर्वाद अवश्य प्राप्त करें और उन्हें सुखी रखने का संकल्प लें, ईश्वर की कृपा से सबका भला होगा, जो बच्चे अपने माता-पिता के आदर, सम्मान, सेवा में तत्पर रहते हैं, उनका जीवन तो स्वर्गमय है और जो व्यक्ति अपने देव जनों को भूल गए हैं उन्हें तो स्वर्ग का सुख कहाँ?

बालचन्द तानाकूर

ओ३म्

आर्य सभा मोरिशस

आर्य सभा मोरिशस की कार्यकारिणी समिति (अन्तरंग सभा) का गठन सन् २०१३-२०१४ ई० के लिए निम्न प्रकार हुआ है :-

प्रतिनिधि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा : श्री राजेन्द्रचन्द मोहित जी

मान्य प्रधान : डा० रुद्रसेन नीऊर जी, *जी.ओ.एस.के,आर्य भूषण*
प्रधान : श्री बालचन्द तानाकुर जी, *पी.एम.एस.एम, आर्य भूषण*
उप-प्रधान : डा० उदयनारायण गंगू जी,*एम.ए.,पी.एच.डी,ओ.एस.के,आर्य रत्न*
उप-प्रधान : श्री सत्यदेव प्रीतम जी, *ओ.एस.के,सी.एस.के,आर्य भूषण,आर्य रत्न*
उप-प्रधान : श्रीमती धनवन्ती रामचर्ण जी, *एम.एस.के, आर्य भूषण*
मन्त्री : श्री हरिदेव रामधनी जी, *आर्य रत्न*
उप-मन्त्री : डा० जयचन्द लालबिहारी जी, *एम.एड.,पी.एच.डी*
उप-मन्त्री : श्री प्रभाकर जीऊत जी
उप-मन्त्री : श्री राजेन्द्र प्रसाद रामजी जी, *एम.एस.के.,आर्य भूषण*
कोषाध्यक्ष : श्री भोलानाथ जीऊत जी
उप-कोषाध्यक्ष : श्री दिलराजसिंह तिलक जी
उप-कोषाध्यक्ष : श्रीमती रत्नभूषिता पुचुआ जी, *बी.ए,एम.ए,पी.जी.सी.ई*
उप-कोषाध्यक्ष : श्री रवीन्द्रसिंह गौड जी
पुस्तकाध्यक्ष : श्री बिसेसर राकाल जी, *आर्य रत्न*

अंतरंग सदस्य : श्रीमती पूर्णिमा सुकन – तिलकधारी जी
' : श्री धर्मवीर गंगू जी
' : श्री भगवानदास बुलाकी जी
' : श्रीमती सती रामफल जी

नोट *– नये संशोधित चार्टर के अनुसार – कार्यकारिणी समिति को अधिकार दिया गया है कि वह एक मान्य-प्रधान की नियुक्ति करे। अतः इस साल डा० रुद्रसेन निऊर जी को सभा का पहला मान्य प्रधान चुना गया है।*

पत्र व्यवहार निम्न पते पर करना चाहिए :–

महामन्त्री
आर्य सभा मोरिशस
१, महर्षि दयानन्द गली
पोर्ट लुई

हरिदेव रामधनी
महामन्त्री

०६.०५.२०१३

OM

ARYA SABHA MAURITIUS

The Managing Committee of Arya Sabha Mauritius for the year 2013-2014 has been constituted as follows :-

REP. OF SARVADESHIK SABHA : Shri Rajendrachund MOHITH
HONORARY PRESIDENT : Dr. Roodrasen NEEWOOR,*G.O.S.K, Arya Bhushan*
PRESIDENT : Shri Balchand TANAKOOR,*P.M.S.M, Arya Bhushan*
VICE-PRESIDENT : Dr. Oudaye Narain GANGOO, *M.A, Ph.D, O.S.K,Arya Ratna*
VICE-PRESIDENT : Shri Satterdeo PEERTHUM,*O.S.K,C.S.K, Arya Ratna*
VICE-PRESIDENT : Smt. Danwantee RAMCHURN,*M.S.K,Arya Bhushan*
SECRETARY : Shri Harrydev RAMDHONY, *Arya Ratna*
ASST. SECRETARY : Dr. Jaychand LALLBEEHARRY, *M.A,M.Ed, P.h.D.*
ASST. SECRETARY : Shri Prabhakar JEEWOOTH
ASST. SECRETARY : Shri Rajendra Prasad RAMJEE,*M.S.K,Arya Bhushan*
TREASURER : Shri Bholanath JEEWUTH
ASST. TREASURER : Shri Deelrazsingh TEELUCK
ASST. TREASURER : Smt. Rutnabhooshita PUCHOOA, B.A,M.A, P.G.C.E
ASST. TREASURER : Shri Ravindrasingh GOWD
LIBRARIAN : Shri Bissessur RAKHAL, *Arya Ratna*
MEMBERS : Smt. Me. Purnima SOOKUN -- TEELUCKDHARRY
: Shri Dharamveer GANGOO
: Shri Bhagwandass BOOLAKY
: Smt. Suttee RAMPHUL

Note *: As per our Amended Rules and Regulations the Managing Committee is empowered to nominate a Honorary Chairman for the Managing Committee, hence Dr Roodrasen Neewoor has been designated this year, as the first Honorary Chairman of the Sabha.*

All correspondences should be addressed to :-

The General Secretary
Arya Sabha Mauritius
1,Maharshi Dayanand Street
Port Louis

Shri Harrydev Ramdhony
General Secretary
06/05/2013

सवितर्दुरितानि परा सुव। *(यजु० ३०.३)*

हे परमात्मन् । तुम हमारे दुर्गुणों को दूर करो ।

Arya Sabha Mauritius

Annual General Meeting - 31/03/2013

President Report

On the 21st of April 2013 at 13.00 hrs at Arya Bhawan, Port Louis the Arya Sabha Mauritius held its Annual General Meeting which was chaired by the president Shri Harrydev Ramdhony who during his address elaborated on the achievements of the Sabha during the year 2012/13.

Year 2012 has been positive for the Arya Sabha as we realized many ambitious projects apart from the organization of all festivals and 'Prachar Karya' missionary works.

(i) to start with, the approval of the amended charter of the Arya Sabha Mauritius by the Registrar of Association -- which is indeed historical.

(ii) the extension of DAV Degree College – *(Dr Hansa Gunessee School of Management)* and the graduation ceremony held with much fervour.

(iii) conduct of Diploma Courses in Theology and Priesthood at the DAV Degree College to prepare our future : "Purohits" and "Missionaries".

(v) Nomination of 18 new Purohits and Purohitas to enhance missionary work at Samaj and family level.

(vi) opening of a school for children with Special Needs at Beau Vallon - (26 children mainly from needy families) and the initiation of the construction of a new and modern building at Union Vale to cater for a Specialised School for Special Needs.

(v) the Arya Yuvak/Yuvati Sangh organized successfully the National Youth Day on the 15th of August 2012 at Rabindranath Tagore Institute and a series of workshopsorganised at district level.

(vi) the contribution of Arya Samaj and Arya Mahila Samaj has been very remarkable during the celebrations of all festivals particularly, the "Shrawani Mahotsaw".

(vii) the presence of Acharya Ashish - Darshanacharya, Acharya Satyapal and Acharya Dr Usha Sharma - 'Ushas' gave a boost up to our Vedic Prachar.

(viii) in the educational sphere our two DAV colleges are doing very well and would like to announce with pride that PCK Aryan Vedic-Vacoas obtained 99% and Laventure Aryan Vedic 88% at the CPE 2012.

(ix) all our five Ashrams are full and are providing quality service. The Foyer Trochetia is being extended and the second phase is expected to be operational by March 2013.

(x) the Website of Arya Sabha has been redesigned and you may have the Aryodaye Weekly on line on www.aryasabhamauritius.mu.

Further you may find the Aryodaye on an International website "the aryasamaj.org" in which Vedic papers of different states of India is found.

(xi) construction of a beautiful Yajshala at Balgobin Ashram.

(xii) 'Alleviation of poverty programme'-through which more than 175 needy students of pre-primary and Std I are provided food, care and monitoring of their school activities.

(xiii) a delegation of 65 persons led by the President & the Secretary attended the International Aryan Conference at Rohini Park, India, where Mauritius got the honour of being a foreign country where Vedic Dharma and Culture is best preserved.

(xiii) Setting up of Aryan Senior Citizen Associations throughout the island.

Year 2013 will be more promising and the Arya Sabha is prospecting to realize the following projects among others :--

1. Introduction of modern subjects at the DAV Degree and Secondary Colleges.
2. Extension of the DAV Port Louis and DAV Morc. St. Andre Colleges.
3. Placing of Photo-Voltaic (200 Kwatts) on our schools and other institutions which will generate considerable income in the long run.
4. Construction of a New Board Room and renovation of our Administrative Section.
5. Provide more tools and facilities to re-dynamise the Arya Yuvak / Yuvati Sangh.
6. Empower Arya Mahila Samaj for better dissemination of the 'Vedic Sidhant' and to consolidate families.
7. Setting of a Guest House for foreign visitors at Union Vale.
8. Provide modern logistics and training to our Purohits.

The Arya Sabha Mauritius extends its heartiest thanks to all its Delegates and Life members for their usual support and we assure you to drive the Sabha towards more progress through good governance.

सभा प्रधान के प्रथम भाषण

रविवार दिनांक २१ अप्रैल को आर्य सभा के वार्षिक अधिवेशन के बाद गत शनिवार दिनांक ४ मई २०१३ को दोपहर ढाई बजे अन्तरंग सभा का गठन हुआ। बहुत लम्बे समय से आर्य समाज की सेवा करते हुए श्री बालचन्द तानाकूर को सर्व सम्मति से प्रधान पद पर आसीन किया गया जो सब प्रकार से उचित था।

अगले दिन रविवार दि० ५ मई २०१३ को न्यू ग्रोव में नवनिर्मित आर्य मंदिर के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए वर्ष २०१२-१३ के सभा प्रधान श्री बालचन्द तानाकूर ने अपने प्रथम-भाषण (Maiden Speech) में कहा 'एक बुझा हुआ दीपक कभी भी अन्य बुझे हुए दीपकों को प्रज्वलित नहीं कर सकता'। इसी प्रकार एक सुस्त व सोया हुआ व्यक्ति सोये हुए लोगों को कभी जगा नहीं सकता। मेरी ज़ोरदार माँग है कि जीवन में सदा जागते रहे हैं और दूसरों को जगाते रहें तभी हम एक समाज के अधिकारी बनकर अन्य सदस्यों को जागृत कर सकते हैं और अपने समाज को जीवित रख सकते हैं।

सत्यदेव प्रीतम

Workshop on HIV/ AIDS

Under the aegis of Arya Sabha Mauritius, and in collaboration with the Aryan Women Welfare Association (AWWA), a feminine wing of Arya Sabha Mauritius, the Council of Religions organised a workshop on combating HIV/ AIDS on Saturday 4th May 2013 at the seat of Arya Bhavan, Arya Sabha, Port Louis.

The workshop targetted religious leaders of Mauritius. There were fifty- five participants, most of whom were Pandits/ Panditas and leaders of various Arya Samajs. The Resource Person was Mr Sewraz Corceal, representative of the Council of Religions.

At the start of the workshop Mr Corceal gave a history of HIV/AIDS disease, how it was first identified in the USA, how it was discovered that it was caused by a virus, Then Mr. Corceal talked about the disease in Mauritius. He pointed out that the first case of AIDS was discovered in Mauritius in 1987. Presently, there are 5508 Mauritians infected with HIV/AIDS, 4375 males and 1333 females. There are many more cases not detected yet.

It was brought to our knowledge that there were about 60 million people infected with HIV/ AIDS in the world in 2011. 25 million of them have passed away. Presently, there are more than 7000 new cases of infection cropping up per day, out of which about 1000 concern children.

Mr. Corceal talked about the modes of transmission of HIV/AIDS, such as through sexual relations, use of same syringes by several persons, blood transmission and from mother to child. He talked about the risk- reduction measures that are being taken by the Mauritian Government such as tests for 'dépistage', distribution of syringes and methadone, as well as preventive measures as sensitization programmes.

Statistics by profession have shown that manual workers form the majority of people suffering from HIV/AIDS.

Pandits / Panditas and other religious leaders have been requested to include the topic of HIV/ AIDS and talk about the preventive measures when they are addressing the congregation after prayers. At the end of the explanations given by Mr. Corceal, we had question-time and discussion. Mrs Puchooa pointed out that inculcation of values is an essential item among the preventive measures; Mr. Corceal agreed with her and added that value education is complementary to the sensitization workshop for combatting HIV/AIDS.

A light lunch and refreshment was served to the participants. The workshop was a success. We hope that all the participants will share the knowledge gained by them during this programme with others and help to combat this terrible, disease in our country.

We thank the Council of Religions for its laudable work, and the participants for their attendance.

Mrs Rutnabhooshita Puchooa,
M.A, P.G.C.E
President
Aryan Women Welfare Association

शोक समाचार

हम समस्त शोकग्रस्त आर्य परिवार बड़े खेद के साथ यह सूचित करते हैं कि गत् गुरुवार दिनांक २५ अप्रैल २०१३ को **श्रीमती माधुरी देवी प्रीतम जी** का अचानक स्वर्गवास हो गया। आर्य सभा के महामन्त्री श्री सत्यदेव प्रीतम जी तथा उनके परिवार के सदस्यों को अपनी सहानुभूति प्रकट करने के लिए आर्य सभा के अधिकारी, कर्मचारी, पुरोहित-पुरोहितागण आर्य ज़िला समिति के प्रतिनिधि और शाखा समाजों के सदस्य- सदस्याएँ भारी संख्या में गए हुए थे। पंडित-पंडिताओं द्वारा मन्त्र पाठ और ईश भजनों से दिवंगत आत्मा की शान्ति निमित्त प्रार्थना की गई। रात्रि जागरण के बाद शुक्रवार २६ अप्रैल को उनकी अन्त्येष्टि में शोकातुर परिवार को अपनी सम्वेदना प्रकट करने के लिए हमारे देश के राष्ट्रपति महामहिम राजकेश्वर प्रयाग जी, संसद सदस्य और हित-मित्र आदि भारी संख्या में उपस्थित थे। उस अवसर पर आर्य सभा के प्रधान श्री हरिदेव रामधनी जी, डा० उदयनारायण गंगू जी और आचार्य सतीश बिटुला जी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी हार्दिक संवेदना प्रकट की।

शवयात्रा जब फेनिक्स के श्मशान में पहुँची तो वहाँ भी संवेदना प्रकट करने वालों की भीड़ लगी हुई थी। अन्तयेष्टि संस्कार आचार्य सतीश बितुला जी तथा दर्जनों पंडित-पंडिताओं द्वारा किया गया फिर तीन दिनों तक यज्ञों का अनुष्ठान श्री सत्यदेव प्रीतम जी के गृह पर किया गया ।

हम आर्य सभा की ओर से यही प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर प्रीतम परिवार को धैर्य और साहस दें और स्वर्गीया माधुरी देवी प्रीतम जी की आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

बालचन्द तानाकूर

ARYODAYE
Arya Sabha Mauritius
1, Maharshi Dayanand St,
Port Louis, Tel: 212-2730,
208-7504, Fax : 210-3778,
Email : aryamu@intnet.mu,
www.aryasabhamauritius.mu
प्रधान सम्पादक: डॉ० उदय नारायण गंगू,
पी.एच.डी.,ओ.एस.के,आर्य रत्न
सह सम्पादक : सत्यदेव प्रीतम,
बी.ए.,ओ.एस.के.,सी.एस.के.,आर्य रत्न
सम्पादक मण्डल :
(१) डॉ० जयचन्द लालबिहारी,*पी.एच.डी*
(२) श्री बालचन्द तानाकूर,*पी.एम.एस.एम, आर्य भूषण*
(३) श्री नरेन्द्र घूरा,*पी.एम.एस.एम*
Printer : BAHADOOR PRINTING LTD.
Ave. St. Vincent de Paul, Les Pailles,
Tel : 208-1317, Fax : 212-9038

डॉक्टर हंसा गणेशी विद्या मंदिर का उद्घाटन-समारोह

डॉ० उदयनारायण गंगू,ओ.एस.के,आर्य रत्न

५ मई को न्यूग्रोव आर्य समाज के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन गणतन्त्र मॉरीशस के राष्ट्रपति महामहिम श्री राजकेश्वर परयाग जी के द्वारा बड़े समारोह पूर्वक हुआ। विशिष्ट अतिथि थे माननीय डा० अरविन्द बूलेल, विदेश मन्त्री और महान्दाता डॉ० हंसा गणेशी जी।

पंडित-पंडिताओं द्वारा श्रद्धायुक्त वातावरण में यज्ञ एवं यज्ञ-प्रार्थना हुई। इसके पश्चात् आर्य सभा के नवनियुक्त महामन्त्री, श्री हरिदेव रामधनी जी ने कार्य का संचालन बड़ी कुशलतापूर्वक किया। उन्होंने यथोचित परिचय देते हुए बारी-बारी से वक्ताओं को प्रस्तुत किया ।

सर्वप्रथम न्यूग्रोव आर्य समाज की मंत्रिणी, श्रीमती प्रेमिला तूफ़ानी ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए बच्चों का एक छोटा कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने पसन्द किया ।

तत्पश्चात् सभा के उपप्रधान डा० उदय नारायण गंगू जी ने मुख्य अतिथि, महामहिम राष्ट्रपति श्री राजकेश्वर प्रयाग जी के प्रति उद्गार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने विदेश मन्त्री डा० अरविन्द बूलेल जी के सहयोग एवं भवन-निर्माण में डॉक्टर हंसा गणेशी जी के आर्थिक दान के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की। उन्होंने न्यूग्रोव आर्य समाज के प्रधान एवं सदस्यों के सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

तदनन्तर आर्य सभा के वर्तमान प्रधान, श्री बालचन तानाकूर जी ने अवसर का एक सारगर्भित सन्देश दिया।

फिर महामन्त्री जी ने डा० अरविन्द बूलेल, विदेश मन्त्री जी को आमन्त्रित किया। उन्होंने अपने भाषण में आर्य समाज की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पंडित श्याम दायबू और उनकी मंडली की ओर से विद्या विषयक मधुर भजन के उपरान्त महामहिम राष्ट्रपति जी का विशेष सन्देश हुआ। उन्होंने आर्य समाज के सभी कार्यों की प्रशंसा करते हुए वर्तमान समाज में फैली बुराइयों को दूर करने की ज़ोरदार अपील की।

अन्त में सभा के उपप्रधान श्री सत्यदेव प्रीतम जी ने अपने धन्यवाद भाषण में सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

उस अवसर पर डा० हंसा ने जो सन्देश दिया था, वह पाठकों के लाभार्थ प्रस्तुत है –

महामहिम राष्ट्रपति श्री राजकेश्वर परयाग जी, विदेश मन्त्री माननीय डा० अरविन्द बूलेल जी, आर्य सभा के प्रधान-मन्त्री और सदस्यगण, न्यूग्रोव समाज के प्रधान-मन्त्री और सदस्यगण, भाइयो और बहनो !

मुझे खुशी है कि यह भवन बनकर तैयार हो गया। आपके गाँव के लिए यह मंदिर का काम आयेगा, जिसमें आप हवन-सत्संग करेंगे और साथ ही यह एक शिक्षा-केन्द्र का भी काम आयेगा। आज बहुत ज़रूरी है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाय। स्कूल, कॉलिज की शिक्षा आवश्यक है, परन्तु उससे भी आवश्यक है धर्म और संस्कृति की शिक्षा। धर्म का ज्ञान होने से मनुष्य को अच्छे और बुरे की पहचान होती है। आज ज़रूरी है कि हमारे बच्चों की बुद्धि ऐसी हो जिससे वे जान सकें कि कौन से काम करने से जीवन में सुख और कौन से काम करने से दुख मिलता है।

मुझे आशा है कि इस शिक्षा केन्द्र में बच्चों को ऐसा ज्ञान दिया जायेगा जिससे वे भले-बुरे की पहचान कर सकें। आज हमारा देश विद्या के बल पर ही उन्नति कर सका है। इस देश में ही नहीं, संसार के सभी देशों में जो प्रगति हुई है, उसकी जड़ में विद्या ही है। बच्चे को यदि माता-पिता और शिक्षक विद्या का महत्व बता देते हैं तो उनका जीवन सुखमय बन जाता है। मुझे पूरी आशा है कि इस शिक्षा केन्द्र में विद्या पढ़ाने का पूरा प्रयास किया जायेगा।

विद्या पढ़ने के लिए अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकता होती है। आप इस भवन में विद्या के साथ-साथ योगासन और प्राणायाम की शिक्षा दें। इस तरह युवक-युवतियों को यहाँ एक अच्छा वातावरण मिलेगा।

हवन-सत्संग के द्वारा वे जहाँ अपनी बुद्धि को पवित्र बनायेंगे, वहीं ज्ञान पाकर अपना बौद्धिक बल बढ़ायेंगे। मंदिर धर्म का स्थान होता है। इस मंदिर में आप हमेशा धार्मिक कार्यों का आयोजन करें। अपने धार्मिक पर्वों को मनायें ताकि आपकी संस्कृति की रक्षा हो। हिन्दी पढ़ाई का अच्छा प्रबन्ध होना चाहिए। आज के बच्चे अपनी भाषा को भूल रहे हैं। माता-पिता ऐसा प्रयास करें कि हिन्दी की ओर बच्चों का मन लगे। वे अन्य विषयों के साथ हिन्दी का अध्ययन अवश्य करें। इस तरह बच्चों का पूरा विकास होगा।

अन्त में कुछ शब्द अंग्रेज़ी में बोलना चाहती हूँ ।

LADIES AND GENTLEMAN,

His Excellency Shri Rajkeswur Purryag ji, GCSK, GOSK, President of the Republic of Mauritius inaugurated this Educational Centre only some time back in the presence of one senior Minister and several eminent personalities.

This centre bears my name. I am not indifferent to the honor that has been bestowed on me. It is my earnest desire that boys and girls, the future builders of our nation receive proper training to develop character and skills in our educational institutions.

My humble contribution towards the building of this hall where we are assembled had this in mind. I have no doubt that proper training of body and mind is important for the development of the individual, too.

I hope that members of this society will do their best to propagate a value based education to the children of this locality. This is my most sincere wish. Religious education is a must for all students as we need religious values to give a meaning to our life. Further, belief in God helps us to lead a righteous life.

It would indeed make me happy if religious knowledge could be imparted to all students including the teaching of yoga.

Thank you.

यह उद्घाटन समारोह आर्य समाज के इतिहास में स्मरणीय रहेगा।

दान

पंडिता सत्यभामा दोमन

'दाता राधांसि शुम्भति'

ऋग्वेद

सर्वशक्तिमान् परमात्मा के बने इस विश्व में मानवमात्र की बहुत बड़ी सीख है – सूर्य से प्रकाश, चंद्रमा से सौम्यता, वायु से प्राण, जल से जीवन तथा धरती से सहनशक्ति, इधर देखें नदी, वृक्ष आदि सीख है हमारे लिए।

ग्रन्थों को देखने से लगा युग-युगों से मानवी दान कम नहीं - चक्रवर्त्ती महाराजा हरिश्चन्द्र - दानी कर्ण - एकलव्य आदि नाम अंकित हैं ।

राष्ट्र विभूतियो! धन से शोभा बढ़ती है, इससे अच्छे मकानों, बागों, दीवारों को सजाते हैं, बढ़िया वस्त्र से श्रृंगार करते हैं। अतः धन बिना सजावट नहीं हो पाती।

दाता धन की शोभा बढ़ाता है, धन से सबकी शोभा बढ़ती है, तभी तो कहा - अपने तन से, मन से, धन से दूसरों को दान करना ही सच्चा इंसान कहाता है ।

धन कमाना, पर दानी होकर दूसरों की भलाई, दीन-दुखियों, अनाथों, असहायों की धन से सहायता करना, बड़े पुण्य का काम है। देश, धर्म, राष्ट्र और संसार की सुसेवा के लिए धन-दान, धन की महिमा बढ़ाना है।

पात्रों को और सुकार्यों में धन-दान करने से घटता नहीं है, बढ़ता ही है। दानी को सद्भावनाएँ, शुभकामनाएँ, शुभाशीषें प्राप्त होती हैं। जिससे दाता के धन में वृद्धि होती है। यह माना कि अभी धन की कमी है, अपना जीवन ही तो जैसे-तैसे चलता है फिर भी ईश्वर प्रदत्त यह हाथ अपनी दौलत है कि किसी के काम आए। वाणी द्वारा क्या कुछ करके सुनने वाले को अमृत दे सकते हैं। इससे विद्या, बुद्धि, आयु की वृद्धि होती है।

इससे भी बड़ा दान जिससे किसी को जीवन मिल जाय, वह है 'रक्त दान'। इतना बड़ा निःस्वार्थ सेवा-दान से यहाँ पर दाता की श्रेणी में नाम प्रथम स्थान पर आता है। दान की महिमा अपार है यदि और कुछ नहीं तो देखिये समय का दान भी कितना बहुमूल्य दान है, वह समय ब्रह्ममुहूर्त में संध्या, यज्ञ, स्वाध्याय आगे चलकर कहीं सत्संग हो रहा हो, समय वहाँ लगा दें, जैसे बागों में सुगन्ध बिखर जाती है वैसे दानी का विश्व में उन्नति के शिखर पर कह सकते हैं – दाता देने वाला - **राधांसि** - धनों को - **शुंभति** - सुशोभित करता है।

धन से शोभा मनुज की ।
धन की शोभा दान की ।

सामाजिक गतिविधियाँ

श्री सत्यदेव प्रीतम, सी.एस.के,आर्य रत्न

एक विशेष यज्ञ

रविवार दि० २१.०४.१३ को प्रातः ९.३० बजे बैरिस्टर विकास तिलकधारी और उसकी धर्मपत्नी श्रीमती पूनम सुकन तिलकधारी ने अपने नये ओफिस (L'E-tude) में वैदिक यज्ञ करवाया। एक से अधिक वकील जिस ओफिस में काम करते हैं उसे चाम्बर्ज़ (Chambers) कहते हैं।

यज्ञ सम्पन्न करने वाले आर्य सभा के पूर्व अन्तरंग सदस्य श्री बिसुनदेव बिसेसर और श्रीमती सती रामफल थे। चन्द गण्यमाण्य लोग उपस्थित थे – जिनमें आर्य सभा के प्रधान हरिदेव रामधनी, मंत्री सत्यदेव प्रीतम, उपमंत्री श्री बालचन्द तानाकूर उपमंत्री, वरिष्ठ वकील गी, ओलिब्री, श्रीमती मन्दा बुलेल तथा तिलकधारी परिवार के चन्द अन्तरंग सदस्य।

यज्ञ सम्बन्धी दो भजनों के बाद बारी बारी से आर्य सभा के प्रधान, मन्त्री, उपमंत्री के लघु भाषण हुए और अन्त में श्रीमान और श्रीमती के प्रेरणास्रोत श्रीमती बुलेल ने आशीर्वचन दिया ।

ऐसे विशेष स्थान पर, चन्द विशेष लोगों की उपस्थिति में ऐसे विशेष यज्ञ में भाग लेने का विशेष मौका मिला ।

नये आर्य मंदिर का उद्घाटन

रविवार दि० ०५.०५.१३ को दोपहर २.०० बजे नये आर्य मंदिर का उद्घाटन मोरिशसीय गणराज्य के राष्ट्रपति के कर कमलों द्वारा उद्घाटन हुआ। विशिष्ट अतिथि विदेश मंत्री डा० अरविन्द बूलेल के साथ सार्वजनिक सेवा मंत्री माननीय सत्यदेव मुच्या उपस्थित थे। आर्य सभा मोरिशस के ९ सदस्य उपस्थित थे। यह इस बात का द्योतक है कि हम कितनी दिलचस्पी लेते हैं समाज के कार्य को आगे बढ़ाने में ।

मंदिर के निर्माण कार्य में डा० हंसा गणेशी का बहुत बड़ा आर्थिक योगदान रहा।

राष्ट्रपति श्री राजकेश्वर परयाग ने आदत अनुसार बहुत ही प्रेरणाप्रद बातें कहते हुए कहा कि अपने स्थापना काल से लेकर आज पर्यन्त देश के उत्थान के लिए आर्य समाज ने सभी क्षेत्रों में योगदान दिया। यदि आज हमारा देश प्रगति के शिखर में है तो इसमें आर्य समाज की सक्रियता का परिणाम है और अन्य मुद्दों पर बोलते हुए अपने भाषण के अन्त में कहा – फिर से एक बार अपने बीस साल पहले की माँग को दोहराता है आज भी आर्य सभा की ओर से सहयोग की माँग है।

डा० अरविन्द बूलेल ने भी राष्ट्रपति ही जैसे आर्य सभा मोरिशस से माँग की कि आज समाज में असामाजिक तत्व की घुस-पेठ हो रही है। सब की नज़र आर्य समाज के सहयोग की ही ओर लगी हुई है। समाज को बचाने का काम आर्य समाज ही कर सकता है।

YOU CAN SUCCEED

You are born to win. You are born to experience radiant health, happiness, peace of mind, confidence and financial success. To do so is to partake of the joys of life. You are not born into this world to experience a life-time of sickness, fear, anxiety, loneliness, poverty or failure of any degree. To experience failure continually is to deny God's true purpose for you-an abundant, joyful, healthy and creative life.

सन्तान के लिए वस्त्र माताएँ बुनती हैं।

डॉ० चेतना बद्री

माँ, माता, जननी, अम्बा चाहे जिस भी नाम से सम्बोधित किया जाए, उसका अर्थ है – प्रेम, स्नेह, लगन, उत्तरदायित्व, सद्भावना, जो एक माँ के स्वाभाविक गुण हैं। इसलिए कहा गया है कि माता अपनी ममता से सन्तान के ज्ञान-कर्म को सही दिशा देती है या विस्तार करती है। ऋग्वेद में कहा गया है –

वि तन्वते धियो अस्मा अपांसि वस्त्रा
पुत्राय मातरो वयन्ति ।
उपप्रक्षे वृषणो मौदमाना दिवस्पथा
वध्वो यन्त्यच्छ ।।

ऋ० ५.४७.६

शब्दार्थ – **मातरः** - माताएँ, **अस्मै** - इस पुत्र के लिए, **धियः** - बुद्धियों, **अपांसि** - कर्मों को, **वितन्वते** - विस्तृत कराती हैं, **पुत्राय** - संतान के लिए, **वयन्ति** - बुनती हैं (बनाती हैं), **वध्वः** - वधूएँ, **मोदमानाः** - प्रसन्न होती हैं, **उपप्रक्षे** - सम्पर्क के निमित्त, **दिवस्प्रथा** - ज्ञान के मार्ग से, **वृषण** -समर्थ पुरुषों को, **अच्छ** - ठीक प्रकार, **यन्ति** - प्राप्त होती हैं, **दिवः** - चाहती हुई, **पथा** - धर्म मार्ग ।

व्याख्या – सन्तान जो कुछ भी है, वह प्रायः माता-पिता के आचार-विचार, आहार-व्यवहार तथा संस्कार का प्रतिबिम्ब है अर्थात् मनुष्य की सन्तान उसका सच्चा स्वरूप होती है। माता-पिता के आचार-विचार वा संस्कार बालक पर अवश्य पड़ता है। माता के अचार-विचार से बालक अत्यधिक प्रभावित होता है। एक माँ चाहे तो बालक को शूरवीर, धीर-गम्भीर, धर्मात्मा-महात्मा, विद्वान्-पण्डित, ज्ञानी-ध्यानी, बना दे। इसके विपरीत यदि एक माँ चाहे तो उसे कायर, भीरु, विक्षिप्त, चंचल, पापात्मा, दुरात्मा, मूढ, अज्ञ, विषयी, दुराचारी बना दे। एक बालक के जीवन का प्रारम्भ माता की गोद में होता है और उसका बचपन माँ की गोद में ही बीतता है। माँ की एक-एक चेष्टा, क्रिया-कलाप, भाषण, गमन, आसन आदि सभी का बालक बहुत ध्यान से अनुकरण करता है। असमर्थ होते हुए भी बालक अपनी माता का अनुकरण करता है। दूसरे शब्दों में एक बालक की प्रवृत्ति को माता बनाती है अर्थात् आज का मानव जो कार्य या व्यवहार कर रहा है वह कहीं न कहीं अपनी माता के संस्कारों से जुड़ा हुआ है। फिर वह अच्छा कार्य हो या बुरा। इसलिए वेद मंत्र कहता है – **'वितन्वते धियो अस्मा अपांसि...मातरः'** अर्थात् माताएँ अपनी सन्तान के लिए बुद्धियों एवं कर्मों का विस्तार करती हैं। एक बालक के पालन-पोषण में माता का उत्तरदायित्व बहुत अधिक है। यदि इस संसार की प्रत्येक माँ सन्तान के प्रति अपने उत्तरदायित्व भली-भाँति समझ जाये, तो संसार की समस्या व संकट स्वयं ही दूर हो जायेगा। माँ हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्याग कर, सामाजिक दुर्भावनाओं से ऊपर उठकर, सारे संसार को अपना परिवार मानकर, इस विशाल मानव समाज के कल्याण की कामना से प्रेरित होकर, अपना आचार-विचार ऐसा बनाएँ कि बालकों के मन में **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की भावना उत्पन्न हो जाये, तब अवश्य ही संसार में व्याप्त अशान्ति दूर होकर शान्ति का वातावरण हो सकता है।

प्रस्तुत मंत्र में बताया गया है – **'वस्त्रा पुत्राय मातरो वयन्ति'** अर्थात् माताएँ सन्तान के लिए वस्त्रों का निर्माण करती हैं। यदि यह कार्य भी माताएँ करें तब गृहशिल्प को बढ़ावा मिलेगा, व्यापारिक उन्नति भी होगी। मंत्र में यह भाव भी दर्शाया गया है कि स्त्री को अपने कर्त्तव्य तथा आवश्यकताओं व योग्यता का ज्ञान होना चाहिए तभी वह **'मातृदेवो भव'** को साकार करती है।

श्रीमती बसन्ती देवी प्रीतम अब न रही

श्री हरिदेव रामधनी, आर्य रत्न - सभामन्त्री आर्य समा मॉरीशस

आर्य सभा के महामंत्री श्री सत्यदेव प्रीतम जी की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी देवी प्रीतम का देहावसान गत् गुरुवार दि० २५ अप्रैल २०१३ को प्रातः १०.३० बजे कॉदोस अस्पताल के सी०सी० सेन्टर में हो गया।

बिल्कुल बीमार नहीं थी, न बीमार दीखती भी थी। सोमवार को तबीयत ठीक नहीं लगी तो डा० रामयाद को दिखाने गयी। मंगलवार को रात्रि के ९.०० बजे उन्हें सांस लेने में कठिनाई हुई तो अस्पताल ले जायी गई और तीन घण्टे तक डाक्टरों ने मुआयना किया और घर वापस आ गई। फिर गुरुवार को सुबह आठ बजे स्वास्थ्य एकाएक गिरने लगा और अस्पताल में डाक्टरों की देखभाल के बावजूद भी स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं आ रहा था तो स्पेशल केर उनिट में दाखिल किया गया जहाँ पर ठीक १०.२५ पर उनके प्राण पखेरू उड़ गये ।

यथा नाम तथा काम। श्रीमती जी का नाम माधुरी था। वह मधुर बोलती थी। सरल स्वभाव की महिला थी। मुख पर सदा मुस्कराती रहती थी।

महामंत्री श्री सत्यदेव प्रीतम को उनके सामाजिक सेवा कार्य में पूरा सहयोग और सहायता रही। सत्यदेव की अर्धांगिनी पूरे जीवन साथ-साथ रही। अगर ऐसा सहयोग नहीं देती श्री प्रीतम जी तो निसंदेह जीवन में आगे नहीं बढ़ सकते। कहावत प्रसिद्ध है कि हरेक पुरुष की प्रगति में एक महिला का हाथ होता है, ऐसा हमने देखा।

श्रीमती प्रीतम जी ने (Ministry of Education) शिक्षा मंत्रालय में पूरे छत्तीस वर्षों तक सेवा प्रदान करने के बाद तीन साल पहले अवकाश लिया। उसका गृहस्थ जीवन बहुत सुखमय रहा। प्रीतम जी कहते हैं ऐसा व्यक्ति मिलना बहुत कठिन है। अच्छे सामाजिक कार्यों में सदा अपने पति के साथ रहीं। एक मात्र लड़की को अपने पति के साथ छोड़कर मृत्यु लोक से विदा हो गयी।

अब केवल स्मृति शेष रहेगी ।

ANNUAL REPORTS 2012

ARYA JILA PARISHAD

मोका आर्य ज़िला परिषद्

२०१२ के लिए मोका आर्य ज़िला परिषद् का गठन निम्न प्रकार हुआ था - *मान्य-प्रधान* - श्री नरेन्द्र घूरा जी, *प्रधान* - श्री बालचन्द तानाकूर जी, *उपप्रधान* - श्री दिमल बेचू जी, *उपप्रधाना* - श्रीमती अनजनी महिपत जी, *मन्त्री* - पंडित सत्यानन्द फाकू जी, *उपमन्त्री* - श्री दिवसराज गंगू जी, *कोषाध्यक्ष* - श्री कृष्णदत्त सिबरण जी, *उपकोषाध्यक्ष* - श्री देवननन बाजनाथ जी, *सदस्य* – श्री कृष्णलाल मोहित जी, श्री अमिचन्द करिमन जी, श्री प्रेमचन्द सिबरण जी, श्री विष्णुदत बिजाधर जी, श्री हंसराज मंगर जी, पंडिता चम्पावती बम्मा जी, श्री नारायणदत्त सिबरण जी, श्रीमती कैककयी कुंजल जी, डा० उदयनारायण गंगू जी और *Ex-Officio Member* श्री हरिदेव रामधनी जी (आर्य सभा)।

गत वर्ष मोका आर्य ज़िला परिषद् की नौ बैठकें लगी थीं। परिषद् की ओर से मकर संक्रान्ति, महर्षि दयानन्द जयन्ती, ऋषिबोधोत्सव, आर्य समाज स्थापना दिवस, सत्यार्थप्रकाश जयन्ती, श्रावणी उपाकर्म, दीपावली एवं निर्वाण दिवस और श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर्व भव्य रूप से आयोजित किए गए।

परिषद् की ओर से मोका प्रान्त के समाजों की समस्याओं, स्थिति इत्यादि मुद्दों पर पूरा ध्यान दिया गया। मन्दगति से चलने वाले समाजों में जागरूकता लाने का प्रबन्ध।

पेची वेर्ज़े तथा लासिरांस आर्य समाज की समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया गया। साप्ताहिक सत्संग की गतिविधियों में सुधार लाने के लिए दो बार विशेष बैठक।

आर्य सभा की खाली ज़मीन का दौरा किया गया। मई महीने में रेडियो पर सत्यार्थप्रकाश जयन्ती से सम्बन्धित मंगलाचरण कार्यक्रम।

छात्रों के साथ आचार्य आशीष जी द्वारा एक सप्ताह के लिए एक कार्यशाला।

सायंकालीन पाठशालाओं में धार्मिक शिक्षा पर बल देने का निर्णय लिया गया था। समिति की ओर से सन्ध्या प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। पारिवारिक सत्संग का आयोजन किया गया था। स्वर्गीय मोहनलाल मोहित जी ११० वीं वर्षगाँठ।

भावी योजना

(१) आर्य महिला सम्मेलन का आयोजन।
(२) आर्य युवक संघ का गठन।
(३) धार्मिक पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना।
(४) स्वर्गीय यशकरण मोहित जी की १०० वी वर्षगाँठ मनाना।
(५) आर्योदय के नये ग्राहकों की संख्या बढ़ाना।

बालचन्द तानाकूर
प्रधान

ग्राँ पोर आर्य ज़िला परिषद्

आर्य सभा की ओर से गाँ पोर आर्य ज़िला समिति का गठन साल २०१२-२०१३ के लिए निम्न प्रकार हुआ :-(१) *मान्य प्रधान* - श्री बिसेसर राकाल,*आर्य रत्न,* (२) श्री भरत मंग्रू, *आर्य भूषण - प्रधान*, (३) श्री सूर्यप्रकाश तोरल, *पी.डी.एस.एम - उपप्रधान,* (४) श्री देवदत्त सोमना - *उपप्रधान,* (४) श्री सुरेश नारेन - *उपप्रधान*, (५) श्री धरमवीर गंगू - *मन्त्री*, (६) श्री ज्ञानदेव लीछू - *उपमन्त्री*, (७) श्री मधुकर नारेन - *उपमन्त्री*, (८) श्री हरिलाल रामज्यावन, (९) श्री बलराम शामी - *कोषाध्यक्ष*, (१०) श्री धून रामधोनी - *उपकोषाध्यक्ष*, (११) श्री देवराज शितल, (१२) श्री देवानन्द रिझो - *उपकोषाध्यक्ष*, (१३) श्री हरिदेव रामधनी - *सलहाकार*, *सदस्य* — (१४) श्री देहानन्द सिबालक, (१५) पंडित सत्यव्रत सयजादा, (१६) श्री रानधीर कालिया, (१७) श्री प्रेमजियान रिझो, (१८) श्री देवऋषि जूतन, (१९) श्री मंगलप्रसाद रिझो, (२०) श्री हंसरानी शितल, (२१) श्री दमयन्ती सितोहल, (२२) श्री बिसुन सरधाराम, (२३) श्रीमती चन्द्रावती हरदोयाल, (२४) श्रीमती इन्दिरा मत्तर, (२५) श्रीमती माधुरी बसन्तु, (२६) श्री देवदत्त सोमना, (२७) श्री राजनाथ नाइको, (२८) पंडित धरमविर देबी, (२९) पंडिता चम्पावती रामचर्ण, (३०) पंडिता सुनिता ओबिलक और (३१) श्री रबिचन्द्र रघू, (३२) श्री हरिदेव रामधनी,*आर्य रत्न - Ex-Officio Member.*

ग्राँ पोर आर्य ज़िला समिति सक्रिय रूप से कार्य कर रही है । इस समिति के प्रधान श्री भरत मंगरू जी हैं तथा सलाहकार श्री हरिदेव रामधनी जी हैं। साल २०१२ में नियमित रूप से अंतरंग की बैठकें लगीं। साल के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाएँ सभी लोगों के सहयोग से साकार हुईं। साथ ही साथ निम्न गतिविधियाँ भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईः- १. वेदारम्भ संस्कार/विद्या आरम्भ यज्ञ, २. मकर संक्रान्ति के अवसर पर विशेष कार्यक्रम, ३. रक्त-दान, ४. ऋषि-बोध उत्सव, ५. आर्य समाज स्थापना दिवस, ६. युवकों के लिए Pointe-Jerome आवासीय केन्द्र में आचार्य आशिष जी द्वारा कार्यशाला, ७. सत्यार्थप्रकाश जयन्ती के अवसर पर शाखा समाजों में विशेष कार्यक्रम, ८. श्रावणी महायज्ञ, ९. पारिवारिक सत्संग, १०. समिति की वर्षगाँठ तथा आप्रवासी दिवस, ११. दीपावली के अवसर पर संगीत सम्मेलन, १२. पंडितों के साथ 'Brain-Storming' सत्र, १३. श्रद्धानन्द बलिदान दिवस एवं वर्षान्त समारोह।

ग्राँ पोर आर्य ज़िला समिति साल २०१३ की चुनौतियों को डटकर सामना करने के लिए मानव संसाधन पर बल दे रही है। युवकों को उचित प्रशिक्षण द्वारा सामाजिक कार्यों की ओर प्रेरित किया जा रहा है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं। पंडितों एवं वेदपाठियों के सहयोग से गाँव-गाँव में धर्मप्रचार का कार्य प्रशंसनीय रूप से किया जा रहा है। आशा है कि यह साल भी ग्राँ पोर ज़िला समिति के लिए सकारात्मक सिद्ध होगा।

धरमवीर गंगू
मंत्री

सावान आर्य ज़िला परिषद्

कार्यकारिणी समिति – मान्य-प्रधान - श्री मेघराज गुमानी, *प्रधान* - श्री भगवानदास बुलाकी, *उपप्रधान* - श्री देवानन्द गोखुल, *मंत्री* - श्री राजेन्द्रप्रसाद रामजी, *उप-मन्त्री* - श्री अनिरुद्ध गजाधर, *कोषाध्यक्ष* - श्री जगदीश मकुनलाल, *उप-कोषाध्यक्ष* - श्री भरनदेव भोवन, *सदस्य* – श्री देवचन्द बिसम्भर, श्री मारिमूतू कानी, श्री रविन्द्रनाथ मोते, श्री हंसराज बदू, श्री संजय बाछू, श्री अशोक हरगोबिन, श्रीमती शिक्षा गोबिन, श्रीमती गीता हरपोल, श्री राज मोती, श्रीमती खेमावती मोधू, श्रीमती आरती मंग्रू, श्रीमती वेदवन्ती सूमिबारायनायको, श्री प्रेमनाथ कालिचर्ण, और *Ex-Officio Member* - श्री हरिदेव रामधनी, *आर्य रत्न* ।

इसके अतिरिक्त और १५ सदस्य हैं। कुल शाखा समाजों की संख्या - ४०

गतिविधियाँ

१. सुयाक आर्य भवन में दैनिक यज्ञ-स्वामी सोमानंद तथा पुरोहित-पुरोहिताओं द्वारा ।
२. हिन्दी की पढ़ाई - छात्र संख्या - १०० से ऊपर ।
३. योग कक्षा
४. संगीत प्रशिक्षण
५. आचार्य उमा द्वारा मंत्र-पाठ शिक्षण
६.युवा पीढ़ी के लिए संगोष्ठि का आयोजन
७. पुस्तकालय सुविधा - प्रति शनिवार खुला रहता है ।
८. शेमें ग्रेनिये आश्रम में सेवा कार्य
९. सभी आर्य पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं।
१०. आर्य सभा में परिषद् के नाम पर एक लाख की एक स्थिर निधि स्थापित है।
११. ऋषि बोध के उपलक्ष्य पर सुयाक आर्य भवन में पाँच दिवसीय महायज्ञ ।
१२. रिव्येर जू पोस्त समाज में आर्य समाज स्थापना दिवस ।
१३. १४ आर्य मंदिरों में सत्यार्थ प्रकाश जयंती।
१४. सभी समाजों में वेद मास के दौरान यज्ञ का आयोजन ।
१५. दीपावली तथा ऋषि निर्वाण के उपलक्ष्य पर सुयाक अस्पताल में मिठाई वितरण।
१६. संगीत सम्मेलन का आयोजन ।

भावी योजना

(i) शेमें ग्रेनिये आश्रम में एक नयी मंजिल जोड़ना ।
(ii) हिन्दी पढ़ाई के लिए तीन अतिरिक्त पाठशालाएँ खोलना ।
(iii) सेंतोबें और कोमलोन में के नए भवनों में हिन्दी की पढ़ाई।

राजेन्द्र प्रसाद रामजी
प्रेषक - मंत्री

फ़्लाक आर्य ज़िला परिषद्

साल २०१२ के लिए फ्लाक आर्य ज़िला समिति का गठन निम्न प्रकार है :- *प्रधाना* - श्रीमती धनवन्ती रामचर्ण, *उपप्रधान* - श्री ध्रुवानन्द दामरी, *मंत्री* - श्री प्रभाकर जीऊत, *उपमंत्री* - श्रीमती विद्यावती कासिया, *कोषाध्यक्ष* - श्रीमती तोकोरी हेमलता, *उपकोषाध्यक्ष* - प्रेमवादा लीलकन्त, *सलाहकार* - मनीदेव सोब्रन, *सदस्य* — श्रीमती मुलराज़ सिधियान, श्री लक्ष्मीनारायण रामचर्ण, श्रीमती धनवन्ती लोबिन, श्री धनराज धुरन्दर जी, श्री अनिरूद जुति, श्री सिवन भगालू, श्रीमती श्यामावती सिधियान, श्रीमती सुनिता दसोई, श्री विनोद दोमा, पंडित शिवशंकर रामखेलावन, पंडिता सत्यभामा दोमन, पंडित नारायनदत्त दोमन, श्री सुमन्देव सुकनोथ, पंडित दयानन्द तोसादू रामदू, पंडित ज्ञानदत्त तुलुआ, पंडित कमला संधू, पंडित प्रेमलाल बूलक, पंडिता सिमला देवी देबिया, पंडिता सरिता देवी बदोरिया, श्रीमती परमावती दरमदर, श्री धनेश्वर रामसरन, पंडित जीवन पोखन, श्री हरिदेव रामधनी, *आर्य रत्न - Ex-Officio Member.*

(१) जनवरी २०१२ - पहली जनवरी को घर-घर एवं समाजों में यज्ञ का आयोजन शिक्षा आरम्भ यज्ञ ।

१४ जनवरी - मकर संक्रान्ति घरों एवं समाजों में बृहद यज्ञ।

हर मास को पूर्णिमा यज्ञ मार लाशो आर्य मंदिर में बृहद यज्ञ और भोजन के साथ ४.०० से ६.०० बजे तक भजन-कीर्तन के साथ।

(२) फरवरी २०१२ - सीता अष्टमी और दयानन्द दशमी

सीता अष्टमी १५ फरवरी को सभी महिला समाजों में आयोजन ।

दयानन्द दशमी भव्य रूप से एक विचार गोष्ठी पुरोहितों के साथ बेल-मार आश्रम एवं सुमंगली यज्ञशाला में ।

दयानन्द जयन्ती - १६ फरवरी - पूरे मास दयानन्द जयन्ती और ऋषि बोध सभी समाजों एवं परिवारों में भव्य रूप से आयोजन ।

(३) मार्च २०१२ - ८ मार्च - होली एवं नवस्येष्टि यज्ञ का आयोजन सभी समाजों में विशेष रूप से मार लाशो में हर साल भोजन के साथ ।

आर्य समाज स्थापना दिवस एवं नवसंवत्सर २३ मार्च को ज़िला समिति द्वारा पाँच दिवसीय महायज्ञ गायत्री भवन में।

(४) अप्रैल २०१२ - १ली अप्रैल को - राम नवमी को राम कथा नौ समाजों में नौ दिनों तक आयोजन। स्कूल की छुट्टियों में अध्यापकों एवं बच्चों के साथ विचार गोष्ठी।

(५) मई २०१२ - श्रम दिवस के अवसर पर - वेद प्रचार का आयोजन ।

(६) जून २०१२ - सब समाजों में सत्यार्थ प्रकाश जयन्ती

(७) जुलाई और अगस्त २०१२ - श्रावणी उपाकर्म महोत्सव के अवसर पर घरों एवं समाजों में भव्य आयोजन।

(८) अगस्त २०१२ - युवक-युवतियों के लिए गोष्ठी

(९) सितम्बर २०१२ - पाठशाला के बच्चों का मन्त्र प्रतियोगिता और स्वामी विरजानन्द जी का जन्म दिवस।

(१०) नवम्बर २०१२ - दीपावली एवं ऋषि निर्वाण दिवस (११ नवम्बर २०१२ को) ।

(११) दिसम्बर २०१२ - आवासीय विचार गोष्ठी। (२३ दिसम्बर - श्रद्धानन्द बलिदान दिवस) - उस अवसर पर संगीत सम्मेलन। भोजन-जल पान के साथ साल की विदाई, वेद प्रचार, आचार्य आशीष, आचार्य रणधीर, डॉ० उषा शर्मा, आचार्य राजमन रामसाहा, सभा के अधिकारी एवं विद्वानुभव सामाजिक सेवकों को सम्मान, शौल-शील और मानपत्र के साथ।

नोट :– (i) हर पूर्णमासी को अपने पुरोहित-पुरोहिता को बुलाकर बृहद यज्ञ, भजन-कीर्तन, उपनिषद् कथा एवं वेद प्रचार का आयोजन करना चाहिए।

(ii) हर मास में पुरोहितों के साथ प्रथम गुरुवार को शाम के ४.०० बजे गायत्री भवन एवं ज़िला समिति केन्द्र में ।

(iii) ज़िला समिति की बैठक हर मास के तीसरे रविवार को प्रातःकाल ९.०० बजे गायत्री भवन, रिश मार, फ़्लाक में ।

(iv) आर्य सभा का आदेश है कि बेलमार भारद्वाज आश्रम में हर समाज को बारी-बारी से, रविवार का दिन ४.०० बजे से ६.०० बजे तक यज्ञ, भजन, सत्संग, भोजन के साथ अपने-अपने समाजों से आयोजन।

(iv) गायत्री भवन, रिश मार में हर गुरूवार को १.०० से ३.०० बजे तक संगीत की कक्षा।

धनवन्ती रामचर्ण
प्रधाना

PAMPLEMOUSSES ARYA JILA PARISHAD

Members of the Executive Committee 2012

Shri Rajnarain Guttee – Honorary President, Mr Geerjanand Teeluck – *President*, Mr Jaychand Lallbeeharry,*M.A, M.Ed – Secretary*, Mr Jugduth Ramkhelawon – Treasurer, *Members* : --- Mrs Rajdoolari Baichoo, Miss Vidyadharee Badaloo, Pt. Darshan Dookhee, Mrs Deviani Dussoya, Mrs Beejaylutchmee Jaguessar, Mr Yashvin Poteeram, Mrs Sooman Ramchurn, Mr Leckrajsing Ramdhony, Mr Sooresh Ramnauth, Mrs Simla Ruttanah, Mrs Chandrajyoti Boobun, Mr Darmanand Auchoybar, Mr Raj Darsun, Mr Deoduth Kheerodhur, Mr Ajay Raja Luchooa, Mr Soodesh Bissessur, Mr Avinash Sharma Sookun, Mr Ramprakash Sunkur, Mr Harrydev Ramdhony,*Arya Ratna – Ex-Officio Member*.

Yaj and satsangs

The Pamplemousses Arya Zila Parishad has under its purview 46 branches. During the year 2012, almost all the branches regularly carried out activities. All Vedic festivals are celebrated with great zeal and regular Satsangs are held in all the Mandirs.

Hindi Schools

Emphasis is also laid on the good running of Hindi Schools on our premises. During the year 2012, all the teachers have been urged, in addition to the hindi classes, to carry out Dhaarmic classes so that our students are better prepared to face the multifacet social problems of today's society.

Youth Activities

Some Arya Yuvak Sangs have been constituted in some regions and I am happy to state that these youths are fully committed to the Arya Samaj Principles and are organizing various activities.

The youths are, nowadays, upon themselves holding yajs and satsangs and involved in social activities.

For example, the Fond du Sac Arya Yuvak Sangh, through its own initiative contacted sponsors and helped some 55 needy students by providing them school materials and accessories.

The Zila Parishad has on each of its activities requested youths from the villages to act as Master of Ceremony and allowed children and youth to participate in the programmes (by presenting small sketch, music items, recitation of poems, mantras etc.)

Improvement of Mandirs

As in previous years, some of our mandirs have been upgraded. I would like to thank the NDU, Arya Sabha Mauritius, our members and some well wishers who have helped in the improvement of these mandirs. I am looking forward to improve the state of some other mandirs in 2013.

Thanks

May I seize this opportunity to thank the Head Priest of the Pamplemousses Zila Parishad and his whole team of Pourohit and Pourohitas who have kept the torch lit by Maharishi Swami Dayanand lighted in all nooks and corners of the district, all the members of the Managing Committee of Arya Sabha Mauritius, all the Staff of Arya Sabha Mauritius, all the members of the Pamplemousses Arya Zila Parishad, all the members of Samajs within the Pamplemousses District, all the members of the Arya Yuvak Sangs, Management and staff of DAV College (Morcellement St. Andre) and all those well wishers who have helped the Pamplemousses Zila Parishad during 2012.

Geerjanand Teeluck
President

RIVIERE DU REMPART ARYA JILA PARISHAD

The following persons form part of the Executive Committee of the Rivière du Rempart Arya Jila Samiti: *Messrs* -- I. I. Bholah *(Hon. President)*, S. Ramphul *(President)*, D. Ajageer & M. Chataroo *(Vice-Presidents),* B. Bissessur *(Secretary),* V. Sham & S. Roopchan *(Asst. Secretaries)*, H. Chummun *(Treasurer),* H. Harjan & S. Kanarsing *(Asst. Treasurers), Members* -- D. Chakowry, P. Chummun, D. Sookaloo, B. Deodanee, G. Madhoo, K. Ructowa, B. Seelochurn, J. Mungra, D. Danaya, K.M. Busgopal, J. Kalyachetty, C. Jeebodhun, R. Teemul, A. Nababe & Mr Harrydev Ramdhony, *Arya Ratna – Ex-Officio Member*.

Activities done in 2012

The following festivals were celebrated : Sankranti, Dayanand Jayantee, Rishibodh, Navsamvatsar, Arya Samaj Sthapna Diwas, Ram Navmi, Sangeet Sammelan, Satyartha Prakash Jayantee, Guru Purnima, Shrawani Mahotsav, Gaytree Yajna, Deepavali & Rishi Nirvan, Bahukundiya Yajna on the occasion of Ganga Snan, Bahukundiya Yajna at Goodlands & Swami Shradhanand Balidan Divas.

Future Plan – 2013/2014 Programme : 10 Ved Kathas & Sangeet Sammelan in 10 Arya Mandirs, Yajna at Ashram, Revival of dormant samajs, Programme with youth & senior citizens.

B. Bissessur
Secretary

PLAINES WILHEMS ARYA JILA PARISHAD

Members of Executive Committee 2012 -- *Honorary Chairman* - Mr. S. Peerthum,*C.S.K,Arya Ratna, President* – Mr R. Gowd, *Vice-Presidents* -- Mrs. R. Puchooa, Mr. R. Sewpal, Mrs. Y. Rughoo-Yallappa, Mr. J. Poonith, *Secretary* - Mr. S. Ramdoss, *Asst. Secretaries* -- Mrs S. Mooruth, Mr. V. Jugessur and *Treasurer* - Mr. D. Damree, *Asst. Treasurer* - Mrs. P. Dookhee and Mr. H. Deerpaul, *Members* -- Mr. R. Mohith, Dr. R. Neewoor, Acharya S. Beetulla, Pt. J. Mahadeo, Mr J. Gajadhur, Pt. D. Mittoo, Mr. S. Pelladoa, Mr. B. Reetoo, Dr. Pt. R. Gunraz, Mr. S. Biltoo, Mr. H. Ramdhony, *Arya Ratna, Ex-Officio Member.*

The Executive Committee met 20 times during the year 2012 to plan and organise activities at the district level in line with the Vision and Mission of the Arya Sabha Mauritius. The main activities organised were :

1. Rishi Bodh, Dayanand Dashamee and the tree planting campaign were organised in collaboration with Stanley Arya Samaj. The Hon. Minister of Environment, Mr. Deva Virasawmy and other members put some ten plants comprising ***Camphor, Ficus sp*** and other medicinal plants in the soil to promote the preservation of our environment.

2. Celebration of Navsamvatsar (Yugadi) and Arya Samaj Sthaapna Diwas were celebrated on the 22nd of March 2012 at La Louise Arya Samaj.

3. The World Environment Day was organized by the PWAJP in collaboration with Arya Sabha, the Municipal Council of Vacoas Phoenix ,AREU, Ministry of Environment, Conservator of Forests, Prof S, Jugessur, Pro-Chancellor University of Mauritius, the Students of P.C.K. Aryan Vedic School and Students from some Secondary Schools in Vacoas. Some 250 plants including medicinal ones offered by the Forest Department and Ministry of Environment were distributed to the participants.

4. Celebration of the Satyartha Prakash Jayanti in all the branches and the Purnahuti at La Louise Arya Samaj through a Colloque having as theme "Contribution of the Satyartha Prakash in the contemporary society". The participants were Prof. S. Jugessur, Dr. O.N. Gangoo, Mr. S. Peerthum and Mr. R. Gowd.

5. Shravani Yaj was organized in all the branches of the district which culminated at Ollier Arya Samaj on a district level for Poonahuti with Acharya Ashish as the main speaker.

6. The following Arya Samaj branches got the opportunity to host programmes of **Acharya Ashish** which were mainly based on Vedic Philosophy and vegetarian diet. Paillote AS, Hermitage AS/AMS, Cherilienard AS/AMS, Vacoas Arya Samaj, Treffle AS, Forest Side AS, Bassin Rd AS, Neergheen Bawan AMS, 15 Cantons AS, Solferino As, Ollier AS.

7. Poornima Yaj was organized regularly at Neergheen Bhawan with the collaboration of Curepipe Road AMS.

8. Arya Samaj Sthaapna Diwas and Yugadi. These two events which have an important significance to the Arya Samajists have been celebrated in our Arya Mandirs.

9. Programme for the youths. A Two-day Workshop for our Youths from 9.00 am to 2.30 pm on 4th and 5th December.

10. Ganga Asnaan Utsav was organised at Flic-en-Flac Public Beach on the 28th November. Some two hundred members from various Samajs participated in the bahukundyr yajna.

11. Deepavalee and Rishi Nirvaan. Deepawalee Celebration and Commemoration of Rishi Nirvaan Diwas were organised by the Parishad in collaboration with the Clairfonds Arya Samaj at the seat of the Samaj on Sunday 11th November 2012.

12. The PWAJS participated in the Mangalacharan of the MBC Radio in December 2012 with "Shradhanand Balidaan Diwas" as theme. The programme was presented by Shri Satyadeo Peerthum, Secretary General of Arya Sabha Mauritius. Participants were Shri R. Gowd, Pt. Y. Chooromoney and Pt J. Mahadeo.

13. Shradhanand Balidan Diwas was commemorated in collaboration with La Louise Arya Samaj.

14. Hindi Schools run by Arya Sabha Mauritius organised their Varshikutsav.

15. A Workshop was organised in November by the Parishad in connection with the roles and responsibilities of President, Secretary and Treasurer of our Arya Samaj Branches and at the same time to take cognizance of new elements in the revised Rules and Regulations of Arya Sabha Mauritius and approved by the Registrar of Associations.

16. Three Workshops of the Vegetarian Association were organised in three Branches (Paillote AS, Solferino AS and 15, Cantons AS).

17. On and above all the events taken on board by the PWAJS during the year 2012, the Parishad and its branches participated in all activities organised by the Arya Sabha Mauritius.

18. The President thanks the Honorary President and Secretary General of Arya Sabha, Shri Satyadeo Peerthum for his support and advice, the President and members of Arya Sabha Mauritius, the Secretary, Shri Sonalall Ramdoss and all members of the Executive Committee, all Purohits and Purohitas of PWAJP, and Presidents and Members of all Branches of the Plaine Wilhems Jila for their support.

RAVINDRASINGH GOWD
President

BLACK RIVER ARYA JILA PARISHAD

After a century since Arya Samaj was founded in Mauritius the Black River Arya Zila Parishad was established a few years back. At present 12 branches of the Parishad are functioning in a regular way.

Just as all the other parishads are functioning, the Black River Arya Zila Parishad is also organizing cultural and religious activities.

Activities organised in 2012

1. Sankranti festival at Bel Ombre Samaj
2. Vasant Panchami and Phag Utsav at Riviere des Gallets.
3. Satyartha Prakash Jayanti in June at Petite Riviere Samaj.
4. Mahayaj at Bambou Samaj-Pravachan of Acharya Ashish
5. Divali and Rishi Nirvan at Le Morne Arya Samaj.
6. Bahukundiya Yaj on the occasion of Ganga Snan at Flic en Flacq and Riviere de Gallets.
7. Shradhanand Balidan Divas at St. Felix.

Education-Hindi Teaching : Five schools are running Hindi classes. Children are encouraged to learn Hindi and rewards in form of books are given to motivate them.

8. Service

Members of the Parishad contribute generously to organize several activities at the Chemin Grenier Ashram.

Members of Executive Committee 2012 is as follows : *Adviser* - Shri R.P. Ramjee, *President* - Shri Rohit Mossai, *Vice President* - Mr Jimmy Lobogun, *Secretary* - Mrs Atmada Jeebaun, *Asst. Secretary* - Mrs Anuradha Ananda, *Treasurer* - Shri Atmah Heeriah, *Asst. Treasurer* - Mr Jugdish Narain, *Librarian* - Deena Sham, *Members* :-- Mrs Jyotee Gheerdharry, Mr Jay Rama, Mr Rakesh Mootoocarpen, Mr Devanand Foolchand, Mr Lallsingh Samah, Mr Ravi Achadoo, Mrs Awootee Lolljee, Mrs Socilla Puttee, Mrs Manishi Jeebaun, Mr Harrydev Ramdhony, *Arya Ratna - Ex.Officio Member.*

काल के गाल में

हम कलियुग में जीने वाले प्राणी हैं। हर पल काल हमारा पीछा करता रहता है, देखते ही देखते हम महाकाल के फंदे में पड़ जाते हैं और हमारी मृत्यु निश्चित हो जाती है। आखिर इस मृत्यु-लोक में तो छाया की तरह मृत्यु हमारा पीछा करती रहती है। इससे बचना असम्भव है।

हमारे देश का प्राकृतिक सौंदर्य देखकर तथा नागरिकों के प्रेम और सहयोग से प्रभावित होकर विदेशी लोग मॉरीशस को पृथ्वी का स्वर्ग कहते हैं, फिर भी हम भौतिक एवं दैविक प्रकोपों के शिकार हो जाते हैं। काल के गाल में पड़कर कितने लोग अपने प्राण गवाँ बैठते हैं। इस वर्ष के आरम्भ ही से कई निर्दोष व्यक्ति हत्याकाण्डों में मारे गए, कितने यात्री सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जानें गवाँ बैठे, जो हमारे लिए बड़े दुख की बात है।

गत ३० मार्च की बाढ़ से तो ११ व्यक्ति बेमौत मारे गए, जिनकी स्मृति में सारी जनता अभी तक शोकग्रस्त है। अब ३४ दिनों बाद गत ३ मई को १० व्यक्ति दुर्घटना के शिकार हो गए । इस भयानक दुर्घटना से समस्त देशवासी दुखित हैं। एक महाकाल के बाद दूसरा भयंकर काल हमें सता रहा है। काल के गाल में जाने वालों के प्रति हम संवेदना प्रकट करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें सद्गति प्राप्त हों। समस्त सन्तप्त परिवारों को जीवन व्यतीत करने के लिए धैर्य और साहस प्रदान हों ।

हम इस कलियुग में लाचार हैं बस परमपिता परमात्मा से यही विनती कर सकते हैं कि वे हमें इस प्रकार के महाकालों से रक्षा करें, ताकि इस तरह की दुर्घटना पुनः न हों ।

ब. तानाकूर

ANNUAL REPORTS 2012

SUB-COMMITTEES

EDUCATION

HINDU EDUCATION AUTHORITY COMMITTEE

The Hindu Education Authority, a legal body functioning under the aegis of Arya Sabha Mauritius manages the two primary schools and one Pre-primary school. The first one is Pandit Cashinath Kistoe Hindu Aided School, classified among the star schools in the district of Plaine Wilhems and is located at Vacoas with a school population of 1,500 pupils and around 60 teaching and 9 non-teaching staff. This school has high performance. The Pre-primary school with a school operates under the same name. The second one, Ramsaroop Ramgutty Hindu Aided school with a school population of 500 pupils and is located at Laventure. Its performance is of good standard.

The Board of Management of Hindu Education Authority, working in close collaboration with school Administration and the PTA, is composed of : Mr Satyadeo Peerthum, *Arya Ratna,OSK,CSK- (Chairman)*, Mr. Surya Prakash Torul, *PDSM,Arya Bhushan - (Secretary)*, Mr. Mooneeswar Seetaram - *(Manager)*, - Mr. Raj Sobrun (Manager Arya Sabha Mauritius, whereas Dr. Roodrassen Neewoor,*GOSK, Arya Bhushan*, Dr. Mrs. Sarojini Saddul-Hauzaree, Mr. Narainduth Dookhy, Mr. Navesh Ramdhuny, Mr. Robindranath Ramgutty, Mr. Ramlochun Sohun, Dr. Vidoor Dilchand, Mr. Sattyanand Pelladooa are serving as members. Mr Harrydev Ramdhony,*Arya Ratna - Ex-Officio Member.*

The Headmasters and the Presidents of PTA are convened to attend Board Meetings in observer capacity. The Board of Management meets regularly every month or as often as possible, when need arises, to consider, examine and decide on the policy matters and to adopt the appropriate direction for a sound management of the both schools pertaining to the Authority.

With the standing agreement the management and administration of both schools are on two parallel lines i.e. the academic side is taken care of by the Ministry of Education and Human Resources while other aspects like logistics and infrastructure fall under the responsibility of Hindu Education Authority and Arya Sabha Mauritius. Those parents of pupils from outside catchment area but being members/well wishers of Arya Samaj seeking admission the PCK Hindu Aided School has the right to seek and secure a seat for admission in Standard I though established procedures. The teachers of Standards V and VI using the classroom of the schools are authorised to make use of classrooms after school hours for private tuition.

ADMISSION IN STD I AND PRE-PRIMARY SCHOOL

It is secret for nobody that there is a high demand for admission in Std 1 and for Pre-primary school at PCK Hindu Aided School from the catchment area and equally from outside. The one from catchment area get their admission straightaway. But a selection exercise is carried out among those applicants coming from outside the catchment area. As a general principle for Std I 100 seats are allocated to the Arya Samajist members, taking into consideration their adherence to the Arya Samaj, however the list has to be approved by the Ministry concerned prior to the admission exercise. The same procedures apply for the PCK Pre-Primary School.

PERFORMANCE

(i) Pandit Cashinath Kistoe Aryan Vedic school, Vacoas CPE Result : 99%
Boys : 91 - Girls : 99
(ii) Ramsaroop Ramgutty Aryan Vedic School, Vacoas CPE Result : 84.8%
Boys : 29 - Girls : 38

It is worthy of note that 5 former pupils of PCK Aryan Vedic Hindu Aided School were HSC Laureates (2012) in different filed of studies.

STAFFING

The HEA monitored close1y the postings of at both Aryan Vedic Schools. it is noted with satisfaction the posting of Mr. Raghubar as new Headmaster at RR Aryan Vedic School. Mrs. Druputy Jhugroo, Headmaster on HEA establishment retired on ground of age. Consequently, Mrs. Hemlata Munbodh-Shewraj, Deputy Headmaster, equally on HEA establishment, was recommended at the request of Ministry of Education to be assigned duties of Headmaster. It should be pointed that the HEA has ceased recruiting teaching staff since twelve years due to limited number of schools. Those in post will have their rights preserved. An official updated staff list has been published and is available for consultation.

PROJECTS

(i) Science Lab of PCK Aryan Vedic is fully operational.
(ii) Prize Giving/Award Ceremony of both schools was held with the close collaboration of the management of the School, the HEA and the PTA.
(iii) The school building housing the R.R. Aryan Vedic Hindu Aided School at Laventure underwent through a renovation of the whole exiting electrical wiring system and furthermore the new complex pertaining to the library is fully operational, wherein benefitting the entire school population.

S.P. Torul,*PDSM,Arya Bhushan*
Secretary

D.A.V. MORCELLEMENT COLLEGE COMMITTEE

The DAV Morcellement St. André College Committee is constituted as follows : Dr Neewoor Roodrasen, *GOSK,Arya Bhushan - Chairperson*, Dr Lallbeeharry Jaychand – *Secretary*, Mr Ramdhony Leckrajsing - *Assistant Secretary*, Mr Chooramun Benyram - *Manager*, Mr Sobnach Mansjay - *Rector*, Mr Gobin Prabhakar - *Deputy Rector*, *Members* -- Mr Peerthum Satterdeo,*O.S.K, C.S.K,Arya Ratna*, Dr Gangoo Oudaye Narain,*OSK,Arya Ratna*, Mrs Dookan P.Veena, Mr Jawaheer Leckram, Mr Jeewuth Bholanath, Mr Dabeeah Deoduth, Mrs Hurnam Manisha *(staff representative)*, Mr Ramdhony Harrydev, *Arya Ratna – Ex-Officio Member*.

The College Committee has been holding its meeting regularly every month. It has closely monitored the administrative and academic activities of the college.

The DAV College started as a Form VI College in 2005 with a population of only 115 students. When the education policy changed with the advent of the present government, the Arya Sabha Mauritius decided to convert the college into Form I - Form VI one.

In 2010 the first batch of students admitted in 2006 took part in the Cambridge School Certificate examinations and we had 84% passes, the best among the private colleges of Zone 1. At HSC level our performance with a percentage of 56% was the second best.

The level of the college has constantly been rising and better facilities have been provided to both our staff and students.

Our Prevoc is still located at Goodlands with 5 classes and has a population of 55. This year two sections of Year 1 (with 87 students) have been admitted within the college complex at Morcellement St Andre. The Prevoc staff is 9. Next year the Prevoc outstation will move to Morcellement St Andre and Goodlands Prevoc will be phased out.

The mainstream at the Morcellement St Andre' has a work force of 50 Teaching Staff, 2 college clerks, 2 clerk/word processing operators, 1 library clerk, 2 office attendants, 11 general attendants, 7 general workers, 2 gardeners and I handy worker, giving a total of 78 staff.

Infrastructure

There are 29 Classrooms, 13 Specialist Rooms including 3 Science Labs, 3 Computer Rooms, 1 Art Room, 1 Audio-Visual, 1 Dress &Textile Room, 1 Design & Technology Room, 1 Design & Communication Room, 1 Food Studies Lab, 1 Library, 2 Football pitches, 4 Volleyball pitches, 2 Football playgrounds, 1 Basket ball pitch, 1 Tennis court and 2 tennis tables.

There is a different wing comprising of 4 classrooms.

PARENT TEACHER ASSOCIATION

The P.T.A that functions as an organ of the school system has contributed enormously towards the development of the school. Various equipments have been provided by the P.T.A for the benefits of pupils. There is a continuous and cordial line of communication between the PTA members and the school management.

EXTRA CURRICULAR ACTIVITIES

Extra-curricular activities of the college : 1. The Debating Club, 2. The Health Club, 3. The Environmental Club 4. Chess Club, 5. Elocution Club, 6. Hindi Drama Club, 7. Football Club, 8. Badminton Club, 9. Yoga, 10. Tennis Club, 11. Music Group.

ACADEMIC PERFORMANCE

Performance pass for the last 5 years is as follows :

	SC	HSC
2008	78.4	63.3
2009	94	70
2010	85.5	70
2011	78.13	56.25
2012	81.25	78.4

In Sports : The school bagged the following Trophies & Medals at Regional & National Levels:

Athletics : 3 Gold Medals, 7 Silver Medals & 2 Bronze Medals
Table Tennis : 5 Gold Medals
Cross Country : 1 Gold Medal
Badminton : 1 Bronze Medal
Best Athlete : Dassaruth Mitradeo - Form V

The College organised a Residential Seminar (for Upper Classes) at Anse La Raie Youth Centre during which emphasis was placed on Leadership, Youth & Sports, Role of Youth in a modern and complex society.

YAJNA AND SATSANGHS

As from 12 June 2009 Yaj & Satsanghs are held on a daily basis class wise.

This is the largest investment ever made by Arya Sabha and its success depends largely on the support of parents. Parents are a valuable partner in this bold endeavour that creates all the necessary conditions for students to develop to the fullest extent.

List of subjects offered :

SUBJECTS TAUGHT AT SC LEVEL

1. English Language, 2. Biology, 3. Literature in English, 4. Chemistry, 5. French Language, 6. Physics, 7. French Literature, 8. Agriculture, 9. Maths, 10. Food & Nutrition, 11. Add Maths, 12. Computer Studies, 13. Economics, 14. Art & Design, 15. Accounts, 16. CDT: Design & Communication, 17. Hindi, 18. Design & Technology, 19. Literature in Hindi, 20. Fashion & Fabrics, 21. Business Studies, 22. Hinduism, 23. Sociology 24. Sanskrit, 25.Urdu, 26. Tamil

SUBJECTS TAUGHT AT H.S.C LEVEL

1. English, 2. Biology, 3. Computing, 4. French, 5. Physics, 6. Food Studies, 7. Hindi, 8. Chemistry, 9. Design &Technology, 10. Hinduism, 11. Maths, 12. Art & Design, 13. Dress & Textiles, 14. Economics, 15. Accounting, 16. Business studies, 17. Sociology

J. Lallbeeharry
Secretary

EXAMINATIONS BOARD SAMITI

The Examinations Board evolving under the aegis of Arya Sabha Mauritius is responsible for the administrative arrangements for the holding of Dharmic Examinations at secondary level – mainly the examinations at the level of Sidhant Pravesh, Sidhant Ratna, Sidhant Prabhakar, Sidhant Shastri and Sidhant Vachaspati conducted by the Maharshi Dayanand Peet, Punjab, India.

The Board of Examinations was constituted as mentioned hereunder : *Chairman* - Shri Hurry Parsad Chummun, *Vice-Chairman* - Pt. Manickchand Boodhoo, *Secretary* - Shri Surya Prakash Torul,*P.D.S.M, Arya Bhushan, Assistant Secretary* - Shri Balchand Tanakoor, *Arya Ratna,* Dr. Oudaye Narain Gangoo, *OSK, Arya Ratna,* Shri Satyadeo Peerthum, *OSK, CSK, Arya Ratna, Ex-Officio Member* - Shri Harrydev Ramdhony, *Arya Ratna*

The Board was convened to two meetings in the course of the year. However the Sub-committee met more than often to implement and to have follow up on the administrative decisions taken by the Board, at the same time examine developments/issues related thereto.

It is important to point out that candidates, being examined on Dharmic Knowledge and language competency, have to write for :

- Sidhant Pravesh and Sidhant Ratna Examinations - two papers;
The Examinations are held annually in month of August.
- Sidhant Prabhakar, Sidhant Shastri and Sidhant Vachaspati Examinations - **four** papers.
The Examinations are held every year in the month of January

Those sitting for Sidhant Vachaspati have to undergo two stages
- 1st year
- Final

cont. on pg. 8

cont. from pg. 7

Only those who are successful in the 1st year stage are allowed to sit final stage.

In the year under reference these examinations were not scheduled due to shortage of students at that level.

The administrative arrangements for holdings are highlighted hereunder :

- Give notice of examinations schedule.
- Provide appropriate stationeries
- Appoint Supervisor, Head Invigilators, Invigilators and any other staff whose services may be required.
- Set up Examination Centres.
- Receiving and safe keeping under confidential cover the question papers from appropriate bodies.
- Collection/safe keeping / submission of candidates' scripts for marking to the authorities concerned.
- Publication/notification of results.
- Issue of Certificates to successful candidates

SIDHANT PRAVESH / RATNA EXAMINATIONS
Saturday 9th August 2012

Centres : (1) R.R. Aryan Vedic Hindu Aided School
(2) DAV College, Morc. St. Andre
(3) Mauritius College Curepipe

Sidhant Pravesh
No. of Candidates 106
No. of Passes 87

Sidhant Ratna
No. of Candidates 49
No. of Passes 35

S.P.Torul,*P.D.S.M., Arya Bhushan*
Secretary

DR JUGROO SEEGOBIN D.A.V. COLLEGE PORT LOUIS COMMITTEE

The DAV College Port Louis Committee 2012 – 2013 comprises of the following members: *Messrs* -- Moonindranath Varma, M.B.E, - *President,* Mr Homduth Gupt Domah – *Vice-President,* Mrs Smita Devi Domah – *Secretary, Members* -- Mr Vijay Ramdhanee, Krishnaduth Seeburrun, Devanand Bajnath, Harrypersad Chummun, Dr Roodrasen Neewoor, *G.O.S.K,Arya Bhushan,* Vijay Anand Ramchurn, Dr Jaychand Lallbeeharry, *M.A,M.Ed, Ph.D,* Mr Benyram Chooramun/Mr K.N. Domah, Mr Prabhakar Jeewooth, Dr Oudaye Narain Gangoo, *O.S.K, Arya Ratna*, Mr Harrydev Ramdhony, *Arya Ratna – Ex-Officio Member*.

No. of Teaching staff	:	50
No. of Non- Teaching staff (5 administrative staff)	:	18 +
School population	:	800
SC Results for 2011	:	79%
HSC Results for 2011	:	58%
No of sitting of D A V College Committee (2011)	:	3

PSSA assessment of specialist rooms :

Art	:	99.59
Computer 2	:	95.2
Audiovisual	:	88.5
Design Com	:	85.17
Biology	:	93.3
Fashion Fabrics	:	92.86
Chemistry	:	91.95
Food Nutrition	:	98.41
Computer I	:	94.5
Library	:	98.8
Physics	:	93.4

Extra-Curricular activities : Drama, Debates, essay competitions, Recitation, elocution contests, science competition, Quiz, Young Investor Award, Chess competition, Human Values education, Painting Competition, National Spelling Bee Competition.

INTERNAL ACTIVITIES
1. Rishi Bodh
2. Blood donation, health medical check-up
3. Annual Sports Day
4. Prize Giving Day
5. Independence Day
6. Quiz Competition
7. Cross Country
8. Workshop with teachers / parents
9. Joint workshop (DAV P. L. and DAV M.S.A.)
10. English Day
11. P.T.A Meeting
12. Educational tours
13. First-Aid Courses
14. "Youth Engaged in Service" for BAI Course
15. Junior Achievement by Barclays Bank

INFRASTURCTURE
- New toilet blocks for girls and boys
- Renovation of Food Studies Lab.

SPORTS AT NATIONAL LEVEL

Events	Medals	Events	Medals
1. 800 m	Gold 1	300 m	Gold 1
800 m	Silver 1	Hurdles	Silver 1
1500 m	Gold 1	300 m Hurdles	
Medley Relay	Gold 2		
2. 400 m	Gold 2	4 x 100 m	Gold 1
		4 x 100 m	Bronze 3
3. Long Jump	Gold 2		
Discuss	Bronze 1	Table Tennis	Silver 2
4. Discuss	Silver 1		

Total = 19 Medals

PRIZES
1. French Drama Festival National Level
- Special prize to the best play on the theme MID
- Best set Designer

2. RamaKrishna Mission – 1st Prize FIV poem Recitation
3rd Prize FV poem Recitation
3. Municipality of Port Louis – Port Louis Greencity --- 1st Prize – Painting Competition
4. Chess Competition – 2nd Prize
5. Ramayana Centre – 1st Prize – Painting Competition
6. Vimal Seetohul – Ranked 2nd at National Level in German at SC Level.
7. Junior Achievement – 1st Prize in oral presentation during "You can be camp".

D. Moher
Rector

TERTIARY EDUCATION COMMITTEE

The D.A.V Degree College Committee 2012 is constituted as follows : Mr DOMAH Kamal Nayan – *President*, Dr. NEEWOOR Roodrasen - *Vice President*, Dr. GANGOO Oudaye Narain - *Academic Dean*, Dr. LALLBEEHARRY Jaychand – *Secretary*, Mr. PUCHOOA Dhaneelall – *Manager*, *Members* -- Mr. PEERTHUM Satyadeo, Mr. MOHITH Rajendrachund, Mr. GHOORAH Naraindra, Mr. RAMNOHUR Mahadeo, Mr. LUTCHMUN Vijay Prakarmajith, Mrs. PUCHOOA Ratnabhooshita, Mr. SOBRUN Subiraj, Dr. RAMHOTA Pavitranand, Mr. COWREEA Devpal, Mr. SEWPAL Ravindra, Mr. NAYECK Kewal, Mr. WOODUN Luchmun, Mr. GANGOO Dharamveer and Mr. RAMDHONY Harrydev - *Ex-Officio Member*.

The DAV Degree Committee regularly met every month throughout the year and closely monitored all the activities of the college.

Courses Offered
STUDENT POPULATION 2012

1. BA Hons Hindi	– Year 1-	24
2. BA Hons Philosophy	– Year 1 -	9
3. BA Hons Hindi	– Year 1 -	16
4. BA Hons Philosophy	– Year 1 -	5
5. BA Hons English	- Year 1 -	6
6. BA Hons Hindi	– Year 1 -	25
7. MA Hindi Previous		- 12
8. MA Philosophy Previous		- 11
9. MA Hindi Final		- 10
10. MA Philosophy Final		- 20
11. Theology – धर्म भूषण		– 45
12. Theology - धर्म रत्न		
Total		183

Lecturers

Hindi : Dr. O.N.Gangoo, Dr. Beersen Jugasing, Mr. Vikas Ramdhonee, Mrs. Shantee Mohabeer, Mrs Deepa Bundhoo, Mrs. Pavitri Soobhug, Mrs. Surekha Harjan, Mr. Dharamveer Gangoo
English : Mrs. Sangeeta Nunkoo, Mrs. Vandana Santokee, Miss Purmeswaree Poorun.
Philosophy : Mr. Mahadeo Ramnohur, Mr. Gian Dhunookchand, Mr. Dharamveer Gangoo, Mr. Hemshunkur Ramdin, Mr. Lutchmun, Mr. R. Puchooa, Mrs. Premita Goodooree
Computer Studies : Dr. Yogesh Sunnoo
Sociology : Mrs. Ramhota
Total No. of Students - 180
Total No. of Lecturers - 20

Activities 2012
- Laying of the foundation stone of the Dr. Hansa Gunesee Post Graduate College
- Visit of a delegation from the Mahatma Gandhi Antarashtriya Hindi Vishwavidyalaye in February
- B.A. and M.A. Examinations held between 27th April to 26th May 2012.
- Visit of External Examiner
- Participation of the college in an International Conference on Education in September 2012.
- **Admission 2012** – 45 entities were received. An induction session for the new cohort on 3rd June 2012.
- Second Term Calendar 7th January to 15th April 2012.
- Several Meetings attended at the TEC. Experts attending the meeting : Dr. Jayanath Patel, Prof. Sudhanshu Bhushan, Mr. Franz Gertze
- Distribution of Student's Charter
- Visit of Dr. Ashok Chauhan and the possibility of running the following courses : (1) Ph. D Courses in Hindi & Philosophy (2) B.Ed Courses, (3) Diploma in Theology
- Foundation Courses for BA & BSc students
- Several visits of TEC experts at the D.A.V Degree College
- Five students sent to DAV Port Louis and DAV Morcellement under SWEP (students' work Experience Programme).
- Ceremony of distribution of mark sheets cum launching of books.
- Inauguration of Dr Hansa Gunesee PG wing of the college on 15th November and Inaugurations of Shiv Vaghela Computer Lab.

Chief Guest : Hon. Arvind Boolell, Minister of Foreign Affairs.
Special Guests : Hon. R. Jeetah, Minister of Technology & Dr. H. Gunesee.
- Graduation Ceremony on Saturday 15th December 2012.
- Organisation of Several Cultural programmes.

Dr J. Lallbeeharry
Secretary

PRACHAR

MAURITIUS ARYA YUVAK SANGH SAMITI

COMPOSITION OF MEMBERS OF THE MAURITIUS ARYA YUVAK SANGH

Messrs -- Hon. President - Ramdhony Leckrajsingh, *President* – Mrs Poonam Sookun - Teeluckdharry, *Vice-President* – Nuckcheddy Vikash, *Secretary* – Dharamveer Gangoo, *Asst. Secretary* – Raksha Rajcoomar, *PRO* - Mrs Amita Boolauky, *Event Officer* – Kaviraj Bancharam, *Asst. Event Officer* – Roshan Hurnaum, *MEMBERS* -- Vijay Ramchurn, Ashwan Awotar, Dimal Buchoo, Raj Darsun, Ravi Leelachand, Dhruvanand Damree, Lutchmee Leelachand, Madhukar Narain, Miss Hemka Richa Lallbeeharry, Sanjay Roopan, Toolseeraj Ramchurrun, Harrydev Ramdhony – *Ex-Officio Member.*

The Mauritius Arya Yuvak Sangh (MAYS) has been very active in the year 2012 under the/leadership of its dynamic President, Mrs Poonum Sookun-Teeluckdharry.

Meetings : The members of the youth wing met regularly to realize several activities throughout the whole year. Some changes were suggested to be brought in the venue of our meetings which will be considered this year.

Events : 1) Workshops around the island were held on Sathyarth Prakash on the first 10 Chapters. Our Yuvas of villages surrounding Mahebourg, Goodlands, Plaines des Roches and Flacq attended with great interest and zeal.

2) The Arya Yuvak day celebration on the 15th August 2012 has marked a turning point in the history of Yuvak Sangh with our Yuvak Jagaran Yatra. Some 800 youths participated in the function with great enthusiasm and the President of Mauritius and Acharya Ashish were our chief guests.

3) A three day residential workshop both for boys and girls was conducted under the guidance of Acharya Ashish also during the winter school vacation at Pointe Jerome. Youngsters from different branches of the south showed interest and the workshop was a real success.

4) Moreover, Pariksha Purva Yajna were organized around the island for students who were sitting for the third term examinations most particularly for those participating in CPE, SC, and H.S.C examinations. Seminars on Revision Techniques were given to many on the same occasion.

5) In view of achieving the aim of leading our Yuvas "Back to Vedas" a symposium on the Vedas was organized at D.A.V Degree College on the 20th of December where many yuvaks attended.

6) The new website of the Arya Sabha will help the Yuvas to interact online and it is our objective to increase the awareness among our Yuvas through Internet technology.

7) The MAYS launched a bimonthly Newsletter designated for Yuvas to share and publish their ideas and projects for the first time. It will also be available online.

The Mauritius Arya Yuvak Sangh is coming forward with several activities for the year 2013 which will be highlighted in its forthcoming Newsletter. We thank everyone who has been helping the new team of Mauritius Arya Yuvak Sangh.

P. Teeluckdharry
President

DHRUVANAND PUSTAKALAYE SAMITI

For the constitution of Dhruvanand Pustakalaye Samitee : Shri Bissessur Rakhal – *Arya Ratna - Chairman*, Shri Anand Chummun – *Secretary*, *Members* -- Dr. Jaychand Lallbeeharry, Shri Vishnudeo Appadoo, *Arya Bhushan*, Shri Bhagwandass Boolaky; Shri Deoduth Dabeeah, *MSK,Arya Bhushan*; Shri Bharuth Mungroo,*Arya Bhushan*; Shri Vidhata Jeewuth; Shri Sanjay Roopun; Shri Dhruvanand Damree, Shri Ravindranath Gowd, Shri Hurrypersad Chummun, Smt. Indranee Aukhojee, Shri Harrydev Ramdhony,*Arya Ratna – Ex-Officio Member*. The samitee had regular monthly meetings.

The objective of this committee is to maintain libraries and disseminate Vedic literature.

SALIENT FEATURES

Mr ARMOOGUN Parsooramen, former Minister of Education and Higher Cadre of UNESCO promised to offer 100 copies of the English Version of Satyartha Prakash. 25 of which have already been received.
- Printing of Hinduism books through copyright from Mr Rambhilas (South Africa).
- Ordering and offering for sale (non-profit making) of various vedic books.
- Facilitating the sale of set Vedas - Hindi and English version.
- 2000 copies of Arya Satsangh Gutka have been purchased.
- Sale of complete set of Hawan kund at a nominal price of Rs200/-.
- 2000 copies of French version of Satyartha Prakash will be printed by Mr Anil Varma.
- Ordering and offering for sale 500 kg of the Samagri.
- Sale of Vedic books at different public beaches on the occasion of Ganga Asnan,at Morcellement St. Andre D.A.V College. On the occasion of Rishi Bodh Mahotsav and at Trois Boutiques Triolet Arya Samaj on the occasion of the centenary celebration of said samaj.

ARYAN WOMEN WELFARE ASSOCIATION SAMITI

Honorary Chairman : Mrs/Mrs -- Chandranee Bhuckory,*PMSM, President* - Rutnabhooshita Puchooa, *Vice-President* - Deoranee Boodhoo, *Members* - Rajkumari Beelut, Aryawattee Boolauky, Arti Seeboruth-gokoolah, Maya Ramdhun, Nishaiootun, Ranita Bhuckory, Anandinee Biltoo, Geeanmati Ghoorah, 0SK, Sangeeta Samputh, Varuna Jodhun, SOOKUNTEELUCKDHARRY (Legal aspect), Satyawatee Ramyead, *PMSM*, Sanyogiata Gungaphul, Rajluxmi Rosunee, Yalini Yallappa, Keerun Dulhumsing, *Ex-Officio Member* - Mr Harrydev Ramdhony.

(1) Participation in 4-day International Seminar held from 30th August 2012 to 2nd September2012 - active participation in Womens' Programme at Belle Mare.

(2) A four-day workshop on Pre-marital/Marital Counselling in July/August 2012 at Arya Bhawan, Port Louis.

(3) Values Education for Form I students at DAV College, Morc. St. Andre on 18 September 2012.

(4) Participation in activities held at Goodlands organised by the Arya Mahila Mandal on 16 December 2012.

(5) Yajna and lunch to the inmates of Gayasing Ashram in the context of Divali Celebrations on rid 22 November 2012.

(6) Participate on Shraddhanand Balidan Divas held at Arya Bhawan, Port Louis.

R. Puchooa
President

NATIONAL VEGETARIAN ASSOCIATION SAMITI

Date	Venue	Coordinators	No. Veg
26.05.12	Arya Sabha, Port Louis Advance Diploma Yoga Class	Mohini	4
16.06.12	Arya Sabha, Port Louis Diploma Yoga Class	Mohini	3
21.06.12	Saint Pierre - Mohith Hall Ongoing Yoga Class	Mohini	5
9.06.12	La Laura A.S. Yoga Class	Mohini	2
15.07.12	Terre Rouge A.S.	Mr Jeewuth & Mohini	
19.07.12	Paillotte A.S.	Mrs Yallini Mohini	13
21.07.12	Moonsamy Ashram, Triolet	Mr Chummun Mrs Boolauky & Mohini	7
6.08.12	L'Avenir A.S Seminar	Acharya Ashish Ji	7
8.08.12	Pointe Jerome Residential Seminar (Boys Only)	Mr Shakti Mr Vishad Oomah	10
9.08.12	Pointe Jerome Residential Seminar (Girls Only)	Miss Prakrita Boyjonauth Miss Mona	8
18.08.12	Arya Sabha, Port Louis Exhibition on Yoga & Alt. Thrapies	Mrs Boolauky	3
19.08.12	15 Canton A.S.	Mohini	4
25.08.12	Riv. du Poste A.S	Mrs Boolauky & Mohini	16
26.08.12	Triolet A.S	Mr Chummun & Mohini	16
26.08.12	Trois Boutiques A.S.	Mr Amar	14
28.08.12	Petite Riviere A.S.	Mr Jeewuth & Miss Deena - Mohini	13
30.08.12	D.A.V College, Port Louis	Mrs Rosunee & Mrs Sangeeta	
30.08.12	L'Aventure A.S.	Mr Druv Damree & Mohini Miss Vidya Ramkhelawon	3
31.08.12	Upper Dagotiere A.S.	Mrs Sangeeta & Mohini	15
2.09.12	P. des Roches A.S.	Mrs Boolauky, Miss Vidya Mr Druv & Mohini	5
4.09.12	Solferino A.S.	Mrs Yallini & Mohini	10
6.09.12	Pailles D.A.V College	Mrs Boolauky & Mohini Mr Jeewuth	25
6.09.12	Quartier Militaire Abhedanand Ashram	Mrs Sangeeta & Mohini	11
18.09.12	St. Pierre - Mohith Hall Yoga Class	Mohini	3
28.09.12	Albion Village Hall	Miss Deena, Mr Jeewuth Mohini	12
14.10.12	Mahebourg A.S.	Miss Prakrita & Mohini	5
21.12.12	Nouvelle Decouverte A.S.	Mohini	5

From 26th May 2012 - 31st Dec. 2012
No. of Workshops - 27 in All

आर्य पुरोहित मण्डल समिति

मोरिशस आर्य पुरोहित मण्डल आर्य सभा की मुख्य उपसमितियों में से एक माना जाता है। पुरोहितों का कार्य है समाज को आध्यात्मिक एवं भौतिक अव्यवस्थाओं से दूर करना। पुरोहित मण्डल में लगभग १०१ पुरोहित/पुरोहिता कार्यरत हैं। जिनमें वैतनिक और अवैतनिक हैं। कुछ निस्वार्थ भाव से आर्थिक सहयोग के बिना समाज का कार्य कर रहे हैं।

पुरोहित मण्डल की अन्तरंग कमिटि का गठन २०१२-२०१३ इस प्रकार हुआ था – परामर्श दाता स्वामी सोमानन्द जी, *पंडित/पंडिता* -- (१) मानिकचन्द बुद्धु - *मान्य-प्रधान*, (२) धनेश्वर दयबू - *प्रधान*, (३) जीवन महादेव - *मन्त्री*, (४) सत्यानन्द फाकू - *कोषाध्यक्ष*, (५) धर्मेन्द्र रिकाई, (६) यश्वन्तलाल चूड़ामणी, (७) विरजानन्द उमा,(८) सत्यवती पेलाद्वा - उपमन्त्री, (९) बालमिक महेश, (१०) गेरुदेव चतुरी, (११) जयचन्द ओकोजी, (१२) राजेश्वर मधु, (१३) आचार्य सतिश बितुला, (१४) हरिदेव रामधनी, *आर्य रत्न - (पदेन) Ex-Officio Member.*

साल २०१२ में आर्य पुरोहित मण्डल की बारह बैठकें लगी थीं। जिनमें निम्न गतिविधियाँ और चर्चाएँ हुईं।

(१) प्रति समाज में मकर संक्रान्ति ।
(२) सामाजिक, प्रान्तीय और राष्ट्रीय स्तरों पर दयानन्द दशमी और ऋषि बोध दिवस मनाया गया ।
(३) आर्य सभा के संविधानों के आधार पर हमें मिलकर कार्य करना और कहीं मनमानी नहीं करना चाहिए ।
(४) ELIE AND SON CO. द्वारा अन्त्येष्टि संस्कार की जिम्मेदारी सम्भालने की चर्चा।
(५) सत्यार्थ प्रकाश जयन्ती आचार्य बितुला जी द्वारा। सत्यार्थ प्रकाश यात्रा पं० रामखेलावन जी द्वारा। दस दिनों तक बृहद् यज्ञ और सत्यार्थप्रकाश कथा ।
(६) दो मासों में श्रावणी और यजुर्वेदीय यज्ञ हुआ। आचार्य बितुला जी द्वारा वेद यात्रा। श्रावणी यज्ञ सामाजिक प्रान्तीय स्तरों और राष्ट्रीय स्तरों पर भी मनाया गया। बेलमार के डॉ० चिरंजीव भारद्वाज आश्रम में तीन दिवसीय यज्ञ मनाया गया।
(७) आचार्य आशीष जी द्वारा एक सप्ताह कार्यशालाएँ हुई ।
(८) शुद्ध मन्त्रोच्चारण की भी चर्चा हुई ।
(९) विशेष-विशेष अवसरों पर (रेडियो और टी.वी) आकाश वाणी और दूरदर्शन द्वारा कार्यक्रम होता आया है। कुछ कार्यक्रम दूरदर्शन द्वारा सीधा प्रसारण हुए।
(१०) २५-२८ अक्टूबर दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन हुआ। मोरिशस से सगभग पैंसठ लोग भाग लेने गये थे।
(११) परिवारों में सत्संग का आयोजन।
(१२) स्वर्गीय आर्य नेता मोहनलाल मोहित के प्रति विशेषांक की चर्चा।
(१३) पुरोहित मण्डल द्वारा प्रकाशित 'अन्तयेष्टि संस्कार' पुस्तक का अभाव।
(१४) समस्त भारतीय संस्कृति के लोगों का एकत्रित करने का विचार ।
(१५) आर्योदय के लिए लेख, ग्राहक, बिक्री, आदि।
(१६) पंचक समाजों में नियमपूर्वक जाना।
(१७) आचार्य बितुला जी द्वारा विरजानन्द निर्वाण दिवस मनाया गया।
(१८) डॉ जयचन्द लालबिहारी जी के श्वसुर डॉ बनारसीदास गुप्त जी और श्री लेखराज रामधनी जी के देहावसनों पर श्रद्धांजलि यज्ञ और उनके परिवारों द्वारा पुरोहित मण्डल को अनुदान प्राप्त हुआ ।
(१९) संध्या और अग्नि-होत्र प्रतियोगिताएँ।
(२०) पुरोहितों का मासिक विवरण, दक्षिणा और रसीद।
(२१) पं० जगदीश रामप्रसाद जी की दुर्घटना ग्रस्त होना।
(२२) पुरोहितों की मण्डल में उपस्थिति ।
(२३) मंगलाचरण कार्यक्रम रेडियो में ।
(२४)श्रद्धानन्द बलिदान दिवस - सामाजिक, प्रान्तीय और राष्ट्रीय स्तरों पर।
(२५) ऋषि निर्वाण दिवस
(२६) पुरोहित लोग राजनीति में न पड़ें।
(२७) आर्य पुरोहित लेखक संघ की स्थापना।
(२८) यज्ञों में एकरूपता ।
(२९) पुरोहित लोग इण्टर्नेट में खोजकार्य करें।
(३०) आर्य पुरोहित मण्डल प्रोविडेण्ट फण्ड का पंजीकरण ।

पं० जीवन महादेव
मन्त्री

धर्मार्य समिति

वर्ष २०१२ के लिए धर्मार्य समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य निम्न प्रकार थे - - पं० धर्मेन्द्र रिकाई - *प्रधान*, पंडिता धनवन्ती पोखराज - *मन्त्री*, *सदस्य* – श्री हरिदेव रामधनी,*आर्य रत्न*, श्री सत्यदेव प्रीतम,*आर्य रत्न,सी.एस.के*, डा० उदयनारायण गंगू, *आर्य रत्न, ओ.एस.के*, श्रीमती धनवन्ती रामचर्ण,*ओ.एस.के, आर्य भूषण,* पं० यश्वन्तलाल चुड़ामणि, पं० मणिकचन्द बुद्धु, आचार्य सतीश बितुला, पंडित वीरजानन्द उमा पं० श्याम डयबू और श्री हरिदेव रामधनी, *पदेन* ।

हर महीने के तीसरे शुक्रवार को १२.३० बजे समिति की बैठक नियमित रूप से लगती है। बैठक में विशेषकर कर्मकाण्ड की समस्याओं को लेकर और यज्ञ तथा सभी संस्कारों में एकरूपता लाने के लिए विचारों के आदान-प्रदान के बाद एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं और सर्वसम्मति से जो निर्णय लिये जाते हैं परिपत्र के माध्यम से सभी पुरोहिताओं एवं पुरोहित को सूचित करते हैं और आर्योदय में भी प्रकाशित करते हैं।

वर्ष २०१२/२०१३ में यज्ञ, अन्त्येष्टि संस्कार एवं विवाह संस्कार में एकरूपता लाने के लिए ठोस कार्य हुआ। जो निर्णय लिए गए उन पर स्पष्टी करण देने के लिए शनिवार ६ अप्रैल २०१३ को पाई डीग्री कॉलेज में एक कार्यशाला का आयोजन हो रहा है। उस कार्यशाला में सभी पुरोहिताएँ एवं पुरोहित भाग ले रहे हैं।

पं० धर्मेन्द्र रिकाई
प्रधान

प्रेस एवं प्रकाशन समिति

साल २०१२ के लिए प्रेस/प्रकाशन समिति का गठन निम्न प्रकार हुआ था – *प्रधान* - श्री बालचन्द तानाकूर जी, *उप-प्रधान* - डा० जयचन्द लालबिहारी जी, *मन्त्री* - श्री इन्द्रनाथ भोला जी, *उपमन्त्री* - श्री सूर्यदेव रामनोथ जी, *सदस्य* – डा० उदयनारायण गंगू जी, डा० विदुर दिलचन्द जी, श्री नरेन्द्र घूरा जी, श्री सत्यदेव प्रीतम जी, श्री हरिदेव प्रीतम जी पं० मुकलाल लोकमान जी, पं० श्याम दयबू जी, श्री सुखराज बिसेसर जी, पं० धर्मेन्द्र रिकाई जी, पं० बाल्मिक नरझण्डुआ जी, पंडिता सत्यम चमन जी और हरिदेव रामधनी, *आर्य रत्न - (पदेन)*।

गत वर्ष प्रेस/प्रकाशन समिति की सात बैठकें लगी थीं प्रथम बैठक १०.०२.१२ को लगी थी। दूसरी २० अप्रैल की, तीसरी २ जून को, चौथी १४ जुलाई को, पाँचवी आठ सितम्बर को, छठी १३ अक्टूबर को और सातवीं बैठक १४ दिसम्बर को लगी थीं। उन समितियों में प्रेस एवं प्रकाशन की समस्याओं पर विचार किया गया और उनका हल ढूँढ़ने की कोशिश की गई।

आर्थिक स्थिति पर ध्यान देते हुए ग्राहकों से चन्दा उग्रहन करने के लिए आर्य ज़िला परिषद् के प्रधान, मन्त्री तथा अन्य अधिकारियों का सहयोग प्राप्त करने का विचार हुआ। प्रान्तीय स्तर पर साप्ताहिक सत्संग में जाने वाले पंडितों से सहायता प्राप्त करने की माँग की गयी । गत वर्ष दो बार आर्य ज़िला समिति के अधिकारी एवं आर्य पुरोहित मण्डल के प्रधान, मन्त्री के साथ चन्दा उग्रहन तथा ग्राहकों की वृद्धि पर विचार करने के लिए बैठकें लगीं। गत वर्ष प्रेस/प्रकाशन समिति की बैठकों में विशेष कर नये ग्राहकों की वृद्धि, पुराने ग्राहकों के चन्दा उग्रहन, आर्योदय में नयापन नये लेखक-लेखिकाओं के लेख प्राप्त करने पर चर्चाएँ होती रहीं। समिति ने यह निर्णय लिया था कि २००९ तक चन्दा धारने वाले ग्राहकों को एक Reminder भेज कर चन्दा वसूल करने की कोशिश करें, अगर एक महीने के अन्दर न चुकाएँ तो उनको आर्योदय देना बन्द कर दें। २००९ से इधर वाले ग्राहकों से भी शीघ्र ही चन्दा उग्रहण करने का पूरा प्रबन्ध किया गया। अनेक कोशिशों के बाद लगभग ४० ग्राहकों ने चन्दा चुकाया और लगभग १०० नये ग्राहक भी बनें, जो प्रेस/प्रकाशन के लिए संतोषजनक है।

गत वर्ष २२ अंक आर्योदय के प्रकाशित हुए थे जिनमें दो विशेषांक थे। एक स्वर्गीय मोहनलाल मोहित जी की ११० वीं वर्षगाँठ के अवसर पर (Mohunlal Mohith Foundation) के सहयोग से, सिप्तम्बर में दूसरा दीपावली विशेषांक। दोनों विशेषांक आकर्षक और प्रभावोत्पादक रहे।

२०१२ का सम्पादकीय मण्डल के सदस्य :-

(१) डा० उदयनारायण गंगू जी - *प्रधान सम्पादक*
(२) श्री सत्यदेव प्रीतम जी - *सहसम्पादक*

सम्पादक मण्डल

(१) डा० जयचन्द लालबिहारी जी
(२) श्री बालचन्द तानाकूर जी
(३) श्री नरेन्द्र घूरा जी

नोट – श्री नरेन्द्र घूरा जी - श्री ब्रह्मदेव मकुनलाल जी की जगह में अंग्रेज़ी/फ्रेंच विभाग निमित्त नियुक्त हुए। श्री ब्रह्मदेव मकुनलाल जी भारत में शिक्षा ग्रहण निमित गए ।

भावी योजना

(१) ग्राहकों की रुचि अनुसार आर्योदय का प्रकाशन
(२) आर्योदय का नवीनीकरण ।
(३) महापुरुषों एवं कर्मठ समाज सेवियों की भेंट-वार्ताएँ प्रकाशित करना ।
(४) साहित्यिक विषयों पर लेख
(५) छात्रों का एक कोना ।

बालचन्द तानाकूर
प्रधान

महिला मण्डल समिति

कार्यकारिणी समिति इस प्रकार गठित हुई : मान्य-प्रधान - श्रीमती धन्वन्ती रामचर्ण, *प्रधाना* - श्रीमती सती रामफल, *उप-प्रधाना* - श्रीमती सरस्वती फूली, *मन्त्राणी* - पंडिता विद्वन्ती जहाल, उप-*मन्त्राणी* - पंडिता विश्वानी हेमराज, *कोषाध्यक्षा* - श्रीमती रश्मि लालबिहारी, *उप-कोषाध्यक्ष* - कुमारी विद्याधरी बदालू, *सदस्याएँ* - पंडिता धन्वन्ती पोखराज, पंडिता पार्वती लक्ष्मण, पंडिता निर्मला रामखेलावन, श्रीमती राजवंश सालिक, पंडिता सत्वन्ती पेलाद्वा, पंडिता आर्यावती हीन्चू, पंडिता चम्पावती रामचर्ण, पंडिता सत्यम् चमन, पंडिता दमयन्ती चिन्तामणि, पंडिता सत्यभामा दोमन, पंडिता ललिता मँगरू, श्रीमती दमयन्ती खुशिया, पंडिता अञ्जनी महीपत, श्रीमती राधिका चट्टू, श्रीमती संयोगीता गंगाफल, श्रीमती दमयन्ती बिहारी, श्रीमती शान्ति देवी तेमिल, श्रीमती देवरानी बुद्धु, कुमारी पद्मावती बदालू, श्रीमती सुरेशा बहोरन, पंडिता सिमला देवी देबिया, श्री हरिदेव रामधनी, *पदेन* ।

इसके बाद महिला-मण्डल की प्रथम बैठक २८ अप्रैल २०१२ को आर्य सभा भवन में लगी।

वर्ष भर वेद प्रचार-प्रसार में महिला-मण्डल का योगदान एवं सहयोग सराहनीय रहा। अप्रैल महीने में महिला-मण्डल के गठन के बाद मई महीने २०१२ से मार्च २०१३ तक मण्डल की आठ बैठकें और दो विशेष बैठकें लगीं। प्रति मास भव्य रूप से कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा। गुडलेंस त्रियाँग आर्य मन्दिर में पारिवारिक सत्संग और मातृ दिवस, श्रावणी-उपाकर्म के शुभावसर पर पारिवारिक सत्संग एवं आर्य महिला सम्मेलन, बेल-मार के चिरंजीव भारद्वाज आश्रम में एक दिवसीय आर्य महिला सम्मेलन, पाँप्लेमूस आर्य मन्दिर में माता रुकमिण रामदेवर की पुण्य तिथि मनाई गई। गुडलेंस प्लेग्राऊण्ड में पारिवारिक सत्संग और बहुकुण्डीय यज्ञ, गयासिंह आश्रम में एक अर्ध दिवसीय कार्यक्रम हुआ। अन्तिम कार्यक्रम प्लेन मायाँ आर्य मन्दिर में पारिवारिक सत्संग और सीताष्टमी को भव्य रूप से मनाया गया।

प्रत्येक कार्यक्रम में सभी लोगों को प्रीतिभोज से सत्कार किया गया और यथासम्भव सभा अधिकारियों की उपस्थिति भी होती रही।

समय-समय पर कार्यक्रमों के अंतर्गत लोगों को सम्मानित भी किया गया। आर्य सभा के पुरोहिताओं ने यज्ञ और प्रवचन सहित महिला-मण्डल को पूरा सहयोग दिया। भविष्य में भी उन लोगों के सहयोग की पूर्णाशा है।

भावी योजना - पारिवारिक सत्संग को हर प्रान्त में विस्तार करना । महिला-मण्डल की ओर से एक सी.डी. निकालने की योजना है।

पंडिता विद्वन्ती जहाल
मन्त्राणी

संगीत समिति

वैदिक धर्म के प्रचार में संगीत का बड़ा महत्व है। यज्ञ, सन्ध्या तथा प्रवचन के अन्तर्गत जब भजन गाये जाते हैं तब उनका प्रभाव श्रोता के ऊपर पड़ता है और व्यक्ति में श्रद्धा-भक्ति पैदा होती है। आर्यसभा ने संगीत समिति को स्थापित किया है। जो अपना उत्तरदायित्व बखूबी संभाल रही है।

इस समिति का गठन निम्न प्रकार हुआ है – *प्रधान* - श्री विष्णुदेव बिसेसर, *उपप्रधान* - पण्डित ईश्वर रिझो, *मन्त्री* - पंडित शिवशंकर रामखेलावन, *उप-मन्त्री* - श्रीमती सती रामफल, *कोषाध्यक्ष* - पंडिता पार्वती लक्ष्मण, *उपकोषाध्यक्ष* - पंडिता निर्माला देवी रामखेलावन, *सलाहकार* - पंडित जीवन पोखन, *Co-ordinator* - पं० श्याम दयबू, *सदस्य* – आचार्य रमेश सन्तोकी, श्री ज्वाला कालियाचेटी, श्री चन्द्रदेव जीबोधन, पंडिता सत्यम चमन, पंडिता विद्यावती जहाल, श्रीमती इन्दिरा मुठूर, श्रीमती विद्यावती माखन, पंडिता सुरेशा बोरन, पंडित राजेश्वर मधु, श्री देवचन्द बिसम्बर, श्री धीरज आजागीर, कुमारी प्रियम्बदा जोखन, पंडिता विश्वानी हेमराज और पंडिता सिमला देबिया और श्री हरिदेव रामधनी,*आर्य रत्न - Ex-Officio Member*

इस समिति की यह कोशिश है कि प्रति वर्ष देश के पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण प्रान्त में संगीत सम्मेलन हो और आर्य भवन पोर्ट लुई में संगीत प्रतियोगिता हो।

पंडित शिवशंकर रामखेलावन
मन्त्री

SEVA

डा० चिरंजीव भरद्वाज आश्रम समिति

२०१२ की कमिटि का गठन इस प्रकार हुआ है – (१) *मानेज़र* - श्री लक्ष्मी नारायण रामचर्ण जी, (२) *मान्य प्रधान* - श्री प्रियादर्शन रोशनी जी, (३) *मान्य प्रधान* - श्री बालमीक चुनी जी, (४) *प्रधान* - श्री अभयदेव रामरूप जी, (५) *उप-प्रधान* - श्रीमती धनवन्ती रामचर्ण जी, (६) *मन्त्री* - श्री ईश्वरलाल रामखेलावन जी, (७) *उप-मन्त्री* - श्री प्रभाकर जीऊत जी, (८) *कोषाध्यक्ष* - श्री धर्मजय डोमा जी, (९) *उपकोषाध्यक्ष* - श्री विद्यासागर अबीलक जी, (१०) *सदस्य* – श्री मूलराज सिधियान जी, (११) श्री गंगाधर बहादूर जी, (१२) श्री जगदीश शीतल जी, (१३) श्री धर्मराज भोला जी, (१४) श्री प्रियशंकर रोशनी जी, (१५) श्री धनेश्वर चुनी जी, (१६) श्री सुमनदेव सुकनोथ जी,(१७) श्री सिनारायण मन्स जी, (१८) पंडिता सत्यभामा दोमन जी, (१९) डा० उमेश शामलोल जी, (२०) श्रीमती देवरानी बुधू जी, (२१) श्रीमती हेमप्रभा ओचराज जी, (२२) Ex-officio Member - श्री हरिदेव रामधनी जी।

गत वर्ष आश्रम समिति की ११ बैठकें लगी थीं ।

२०१२ के दौरान निम्नलिखित आयोजित किये गये –

(१) प्रति मंगलवार को साप्ताहिक यज्ञ
(२) मकर संक्रान्ति
(३) रक्षा बन्धन
(४) श्रावणी उपाकर्म (पूर्णाहुति)
(५) दीपावली
(६) स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस
(७) रविवारीय यज्ञ

उद्देश्य

आश्रितों को अच्छी सेवा प्रदान करना ।

मंत्री

PANDIT GAYASINGH ASHRAM SAMITI

Pandit Gayasingh Ashram (housing 'Gayasingh Orphanage' and 'Shradhanand Infirmary') is not only the oldest charitable institution but, remains the largest as well. It runs with a permit for accommodating 90 residents – representing 45 % of maximum capacity of all five ashrams run under the aegis of Arya Sabha Mauritius. The monthly approved budget of the Ashram is around Rs 415,000/- (Rs 5,000,000/- per year). The Ashram stands on 3,385 sq metres of land-formerly owned by Pandit Gayasingh ji and donated to Arya Sabha Mauritius the total number of residents admitted at the Ashram as at 28.02.2013 was as follows :

Elderly residents	67
Students (under 18 yrs)	11
Total	78

representing 92 % of full capacity. During the past 12 months we admitted 9 new residents (including 2 young children). Four residents were discharged and sadly four others passed away during the same period.

The Managing Committee of the Ashram for the year 2012 was constituted as follows : *President* - Dr Jaychand Lallbeeharry, *MA,M.Ed, Ph.D* , Shri Deoduth Dabeeah,*MSK,Arya Bhushan - Vice President*, Shri Balmick Choonee,*MSK - Vice President*, Shri Deorishi Boolell,*OSK,Arya Ratna* - Manager, Smt Chundranee Buckhory,*PDSM - Asst. Manager* & Co-ordinator, Shri Bissoondoyal Goolaub, *PMSM, Asst. Manager*, Shri Santosh Jugurnauth, *Arya Bhushan - Secretary*, Shri Balmick Nurjandoowa, *Asst. Secretary*, Shri Shivduth Bhowany, *Arya Bhushan,* Shri Ramkurrun Ramphul, *OSK*, Shri Prakash Jeewooth, Shri Vidhata Jeewuth, Smt Saraswati Peenith, *Arya Bhushan*, Smt. Rashmi Lallbeeharry,*MA,MSc,BEd*, Shri Satish Jahajeea, Shri Preeaduth Sookar & Mr Harrydev Ramdhony - *Ex-Officio Member* -- 12 meetings were held during the course of the year on the 2nd Monday of each month at 14.30 hrs.

The staff employed at the ashram comprises Smt. Hanooman (Matron), Smt Gungoo *(Asst. Matron/Accounts Officer)*, Smt. Madoorapen *(Office Clerk)*, Smt. Dholah *(Storekeeper)* and is supported by 18 other attendants/cooks etc.

In order to ensure better control at the main entrance/gate the services of female watch-women have been engaged.

Disciplinary measures have been formed and daily activities are being closely monitored.

Discharge of rainwater has been a major hazard and services of the waste water Management Unit needs to be called.

As the dormitories were constructed over 60 years ago, the buildings will soon have to be pulled-down and replaced by new structures. It is sought to avail the services of professionals and have the entire set-up redesigned and construction works executed on a phase wise basis.

Several individuals and organisations have been visiting the ashram during the course of the year as usual. Equally some teachers have been calling at the Ashram regularly and offering free coaching/tuitions to our students and running yoga sessions etc. The services of a Medical Officer and Nursing Officers have been ensuring proper health care as to the residents. The Sabha extends its appreciation and thanks to each and everybody for their valuable support without which offering proper care would have been quite difficult.

S. Jugurnauth
Secretary

SANGRAM SEWA SADAN SAMITI

Board of Management

The Board of Management is composed of 8 members, consisting of: Dr. Roodrasen Neewoor - *Chairman* SSS, Mr. Premchand Manick - *Secretary* of Board Sangram Sewa Sadan *Members* : Dr. Swagat Poorun, Mr. Satydeo Pèerthum, Mr. Vidianand Dewkurun, Representative of NATReSA (ex-officio), Mrs. Deoranee Boodhoo

Staff working at S.S.S.

1. *Officer in Charge* : Mr. Rajiv Neewoor, Director, 2. *Secretary* : Mrs. A. Joyekurun, 3. *Full time social workers*: Mr. R. Ramdowar, Mr. B. Darsun, Mr. J. Lokman, 4. *Part time psychologis*t: Ms. Ashwina Rajkomar, 5. *Medical Doctors*: Dr. H. Bissoonauth and R.S. Neewoor, 6. *Yoga instructors* : Mr. B. Ramkissoon and Ms. A. Purbhoo, 7. *Attendant* : Mrs. K. Bhugny, 8. *Handy man* : Mr. K. Boodhoo,

The Board of Management meets once monthly (every second Wednesday of each month) at the seat of Sangram Sewa Sadan Centre. For the year 2012 the Board met 6 times.

Patients who attended centre for Methadone Substitution Therapy Jan: 110

Medical Substitution Therapy (Codeine Therapy): 178

Total number of patients having received psychosocial support by psychologist: 276 Total number of patients having received counseling therapies: 75

Activities covered during the year 2012

• **3 (three)** outreach programs prevention campaigns, (Cite L'Oiseau, Floreal/Cite Malherbes, Curepipe and Cite Mangalkhan, Floreal)

1 (one) to commemorate the 25th International day Against Drug Abuse and Illicit

• Trafficking" at Hamilton College, Mahebourg.

Services Offered by the Sangram Sewa Sadan Centre

- o Service D'Ecoute / d'accueil
- o Medical Treatment
- o Methadone Substitution Therapy (motivational interviewing, pre-admission session, refer to induction phase to Barkly, maintenance therapy)
- o Psychosocial Support Therapy
- o Family/Individual Counseling Service
- o Yoga / Meditation
- o Psychologist Service (twice monthly)

Visits - Social Workers — Ward V and Barkly/Bouloux Centre, Cassis

Since Methadone Substitution Therapy has been introduced for substance abusers, all social workers pay weekly visit to Methadone Detoxification Centre at Barkly and Ward V, Beau Bassin and Bouloux Centre for counseling and other therapies. They carry out individual counseling, group therapy and referral SSS Centre.

No. of sessions carried out by Mr. R. Ramdowar to Barkly : 25

No. of sessions carried out by Mr. Darsun : 25

Secretary

FOOLBASSEEA BABOORAM ASHRAM SAMITI

The Managing Committee of the Ashram for the year 2012 was constituted as follows : *Messrs* -- Ravin Jugurnauth - *Manager*, Rajendra Prasad Ramjee - *President*, Jugdish Beekarry - *Secretary*, Satish Jahajiah - *Finance Officer*, *Members* -- Bhagwandass Boolaky, Arjoon Babooram, Dhanraj Babooram, Heeriah Krishna Atmah, Rohit Mussai, Narsamah Mungroo, Devanand Dharmah, Mrs Shradha Lobogun, Krishnaduth Cheetamun, Oudesh Sreepaul, Parlen Vencachelum, Rengasamy, Kiran Bhawanee, Vinay Kooblall, Samy Darmoo, Jugdish Narain, Dhanraj Allan, Moodally, Neeravadee Coothan, Sita Pednoorkiah, Arvina Heeriah, Bhai Mungroo, Harrydev Ramdhony - *Ex-Officio Member.*

The year ending 2012 has been a very fruitful and eventful year for the Foolbasseea Babooram Ashram. The Committee Members, the Management, the staff and all the numerous Sponsors and well-wishers who helped in kind, in cash through donations of meals, foodstuffs, services and other supports deserve recognition and thanks.

Activities throughout the year 2012 are mentioned hereunder :-

Dates of Meetings	Project /Events
04.02.20 12	Launching of construction of 2nd phase
03.03.20 12	Request to CWA for exemption of CWA bills
07.04.20 12	Change of rate for donation of meals from Rs.500 to Rs.700
05.05.20 12	
a)	Visit of CAB for asphalting the yard care of Mrs. Mooneyar
b)	Award of certificate to Mrs. Viranee Gaoneadry
c)	Celebration of Mother's Day on May 20th.
02.06.20 12	Reallocation of responsibilities to members.
07.07.20 12	Construction of new kitchen-stating formalities
15.08.2012	Preparation for the celebration of family day
09.09.2012	Celebration of Family Day. *Chief Guest : H.E. K. Purryag and Mrs. Purryag. A big success. Rs 114,000. Donation in cash and offering of shields*
06.10.20 12	Reviewing Family Day. Strength and weakness.
03.11.2012	Preparation of End of Year Celebration
15.12.2012	Preparation for hosting of QEC students for the National Youth Achievement Award
16.12.2012 to 20. 12.2012	*Twelve QEC girls achieve at the Ashram ICW the National Youth Award.*

PROJECT :

1) Preparation of indication boards
2) Gardening-Planting trees and vegetables
3) Painting of Security Post.
4) Preparing and Painting boards.
5) Cleaning of Ashram.
6) Preparation of Food
7) Help given for lodging
8) Facilities offered :- *a) Gas Cylinder, (b) Fridge, (c) Bathroom and Toilets, (d) T.V, (e) Sleeping Facilities.*

DONATIONS

(1) Chamouny Government School: Two wall fans, Two stand Fan, twenty Bed sheets
(2) Ramjeet Family: Water Filter
(3) Lunch: 156
(4) Tea Party : 45
(5) Dinner: 130

Mrs Raakhee Cheetamun Following a Diploma Course in Health Care-Sponsored by Arya Sabha Mauritius

Mrs Mohabeer was on leave without pay on medical ground as from Dec. 23rd, 2012. She was replaced by Mrs. Bharati Nohar.

Financial Report

All the Financial transactions were carried out by Mr Satish Jahajeeah.

Individual monthly on Resident to be sent to Arya Sabha. The Ashram received regular visit by the officers of the Social Security. Medical Officers, Nurses paid visit to the 18 Residents of the Ashram. The Staff should be congratulated for the excellent services given to the Residents.

The Year 2013 will start with the construction of a new kitchen and the 2nd phase of the Ashram. The Arya Sabha should be thanked for all the help, assistance and support given to the Ashram.

Bhardoze Bheekharry
Secretary

J. BALLGOBEEN ASHRAM SAMITI

'Service to humanity is service to God', so goes the saying. In line with its mission and objectives, the Arya Sabha Mauritius has established Residential Care Homes, one of which is J. Ballgobeeen Ashram which started in August 1995, at Saint Paul in a very modest way with only ten residents when the full financial stress fell upon the Sabha, as the prime object of the Arya Sarnaj movement is to do good to the world through the promotion of physical, spiritual and social wellbeing of all individuals free from discrimination of cast, race, colour or creed- as rightly stipulated in its sixth *Principle*. Today the Ashram has involved to the capacity of residents duly licence, providing shelter, clothing, leisure and well balanced vegetarian diet coupled with medical care. The Ashram is assisted by the Ministry of Social Security, National Solidarity and Senior Citizen Welfare & Reform Institutions.

Management of the Ashram

The Ashram is managed by a Board of Management : Shri TORUL Surya Prakash - *Manager*, Shri PEERTHUM Satyadeo - *President*, Shri DHOOKY Huriyduth - *Secretary*, Shri RAMDUNY Navesh, *Members* : Shri MOHITH Rajendrachund, Shri MUNGROO Bharuth, Shri RAKHAL Bissessur, Shri JUGURNAUTH Santosh, Shri BALLGOBEEN Rakesh, Dr BISSOONAUTH Yashwant, Shri BUSSAWON Deoduth, Shri CHEETAMUN Krishnaduth, Shri MEDIDINE Roshan, Shri MOTAH Rabindranath, Smt. NUNDLOLL Culyanee, Smt. PYDEEGADOO Sabita, Shri AUBEELUCK Kishore & Harrydev Ramdhony - *Ex-Officio Member.*

The Board of Management meets regularly every month.

The Ashram is run by a team of competent staff :

Manager, Physiotherapist 1, Public Relation officer 1, Secretary 1, Cooks 2, Health Care Assistant 1, Driver 1, Attendants : 4 Male and 6 Female Night Attendant 1

Note :

(i) The attendants are required to be on duty at staggered hours covering five hours between 7.15 am to 5.00 pm daily.

(ii) The Ministry of Social Security, National Solidarity & Senior Citizens Welfare and Reform Institutions provides the service of a doctor twice weekly, two nurses four times weekly and a rehabilitations officer twice weekly

RESIDENTS

The year started with 40 residents and closed the year with 34 residents - 13 private residents and 27 sponsored by Ministry of Social Security. During the year under review there were 16 admissions and 18 discharges. 2 Residents passed away 1 of the ritual concerning cremation of the deceased were performed under the responsibility of the Ashram.

ACTIVITIES

i) Spiritual Aspect is given special consideration at the Ashram. Yaj and kirtans are organised every Thursday. Friends and well wishers attend the function. Sometimes they are invited to share the saha bhoj with residents.
ii) Outings and visits are organised for the residents on regular basis.
iii) Indoor Games are available
iv) Benevolent organisations give free musical/cultural programmes

FUNDING

The Ashram has its funding from sources mentioned hereunder:

- The capitation grant from Ministry of Social Security.
- Arya Sabha Mauritius.
- Contribution from private residents.
- Donations from well-wishers and benevolent organisations

DONATIONS

Donation, Residents' Contribution and Rent of Tatree received during the year under review were in two categories :

- in cash to the total amount of Rs 468,837.00 and in kind which includes consumable goods

REHABILITATION CENTRE

The project for a Rehabilitation Centre housed in the renovated existing building has been completed.

FUTURE PROJECTS

1. Modernising / upgrading of kitchen /culinary equipment
2. Fresh Paint to the whole building of the Ashram.
3. Replacement of 50 old foam mattresses.

S.P. Torul, *P.D.S.M., Arya Bhushan*
Manager

JAYDAAD COMMITTEE

The Managing Committee of for the year 2012 was constituted as follows : *Messrs* -- Geerjanand Teeluck - *President,* Soobash Chadee - *Secretary, Members* -- Vidhata Jeewuth, Ravindrasingh Gowd, Balchand Tanakoor, Rajendra Prasad Ramjee, Harrydev Ramdhony - *Ex-Officio - Member.*

The Jaydaad Committee which is constituted of representatives from all districts has met regularly during the year 2012.

The objectives of the committee are (i) to ensure that all the properties are properly secured, (ii) to ensure that the properties are kept clean and (iii) to ensure that optimum use is made of all the properties belonging to the Sabha.

To date, a data base of all assets belonging to the Arya Sabha has been prepared. Surveys have been carried on many sites where the boundary lines were not clear. This exercise is still being carried out. Following these surveys, in some places boundary walls have been constructed and the properties secured.

During our visits some of our buildings, it has been observed that some of them are in bad condition and are not provided with adequate amenities. The Committee has decided to remedy such situations. However, each case will be considered on its merits and a programme of work will be worked out on a priority basis. Help of Samaj members, government authorities and well wishers will also be sought to upgrade some of our mandirs. ***cont. on pg 12***

cont. from pg 11

It has also been observed that some of the properties are not being used in the most effective manner. The Committee has proposed that some agricultural projects be implemented at some places. The issue has already been raised with the relevant authorities and some of the projects should be realized in 2013.

In some other cases, the committee will liaise with members in the respective areas, where some properties have been identified, for other laudable projects. Furthermore, the Committee members are prepared to meet samaj (branch) members to help them sort out any issues related to their land and building.

The committee is fully aware of the expectations of all our members as regards the management of the Samaj's properties and will do its maximum to meet these expectations.

Geerjanand Teeluck
Chairman

Smt. L.P. GOVINDRAMEN D.A.V. SCHOOL SAMITI

(School for Children with Special Needs)

The Year 2012 has been marked by remarkable event - materialization of a long cherished dream with a new project of the Arya Sabha Mauritius to set up a school for children with special needs.

The Smt. L. P. Govindramen D.A.V. School for Children with Special Needs opened its doors in February, 2012 with 10 pupils from various parts of Grand Port District and was officially inaugurated on 14th March during the same year by Hon. Dr. Vasant Kumar Bunwaree, Minister of Education and Human Resources and was subsequently licensed to operate according to established norms. The number of pupils increased significantly soon.

Presently the school is housed in the building of Beau Vallon Arya Samaj Mandir and is functional with a school population of 27 pupils and a competent team of personnel of 2 instructors, one attendant and a driver who is the owner of a van. Two trainee instructors are attached to the school. Furthermore, the School is managed by a Board of Management : *Chairman* - Shri Bharat Mungroo,*Arya Ratna*, *Members* : Shri Surya Prakash Torul, *P.D.S.M.,Arya Bhushan*, Shri Bissessur Rakal, *Arya Ratna*, Shri Madhukar Narain, Pt. Shyam Daiboo, Pt. Satyavrat Sayjada, *Ex-Officio Member*- Shri Harrydev Ramdhony, *Arya Ratna President, Arya Sabha Mauritius.*

Technical and consultancy services are being tendered by Mr. Mootien, while Mr Naidu, a retired Head Teacher is the part time Head of the said School.

The Arya Sabha Mauritius is presently financing the entire project. However, action has been initiated to get relevant government grant to cover the running costs and to provide training of the staff in the appropriate field of studies.

Day by day the institution is getting its momentum and progressing steadily, but surely and other development are expected ahead. We are optimistic about its bright future and on the services that it will offer to the community as whole.

Surya Prakash Torul,*P.D.S.M.,Arya Bhushan*
Coordinator

विद्या समिति

आर्य सभा द्वारा विद्या समिति का गठन २०१२ इस प्रकार किया गया था :- *प्रधान* - श्री प्रभाकर जीऊथ जी, *उपप्रधान* - डॉ० विदुर दिलचन्द जी, *उपप्रधान* - श्री नरेन्द्र घूरा जी, *मन्त्री* - श्री विद्यानन्द रामफल जी, *उपमन्त्री* - श्री देहानन्द सिबालक जी, *उपमंत्री* - श्री दीरपोल हरीश्चन्द जी, *सदस्य* – डॉ० जयचन्द लालबिहारी जी, श्री सूर्यदेव रामनोथ जी, श्री धर्मराज भोला जी, श्री देवदत्त देबिया जी, डॉ० उदयनारायण गंगू जी, श्री सत्यदेव प्रीतम जी, श्रीमती रत्नाभूषिता पुचुआ जी, श्री इंद्रदेव इंद्रनाथ भोला जी, श्रीमती राजकुमारी बीलत जी, श्री धरम गंगू जी, पंडिता धनवन्ती पोखराज जी और श्री हरिदेव रामधनी जी - *Ex-Officio Member* ।

गत वर्ष १६८ सायंकालीन पाठशालाओं में हिन्दी की पढ़ाई हो रही थी, जिनमें ३३५ शिक्षक हिन्दी भाषा तथा धार्मिक शिक्षा के पठन-पाठन में संलग्न थे। उन पाठशालाओं में निरीक्षण कार्य के लिए अठारह १८ निरीक्षक नियुक्त किये गए थे, जो उन शिक्षकों को शिक्षण व्यवस्था तथा शिक्षण-विद्या पर मार्गदर्शन करते आ रहे हैं।

२०१२ में शिक्षकों के लिए दो कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। तीन स्थानों में विद्या दिवस, कई समाजों की ओर से सेवा वार्षिकोत्सव भी आयोजित हुआ जहाँ पर छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया था। निरीक्षकों के साथ नौ बैठकें हुईं जहाँ पर विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श हुआ और उनका समाधान भी किया गया।

गत साल ७३६ छात्र-छात्राओं ने छठी की परीक्षा में भाग लिया। सिद्धान्त प्रवेश, सिद्धान्त रत्न, सिद्धान्त प्रभाकर, सिद्धान्त शास्त्री और सिद्धान्त वाचस्पति प्रथम और द्वितीय खण्ड की भी परीक्षा हुई।

हिन्दी भाषा के लिए विद्या समिति के सदस्य तथा निरीक्षक मिलकर शिक्षण-व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए पूरा प्रयत्न करते रहते हैं।

हर्ष की बात है कि पहली कक्षा की पाठ्यपुस्तक तैयार हो गई है और दूसरी कक्षा की पाठ्यपुस्तक पर काम चल रही है।

विद्यानन्द रामफल
मन्त्री

मातृ दिवस के पावन अवसर पर कुछ मुक्तक

इस रक्त के संचार पे अधिकार तुम्हारा है
श्वासों के हर तार पर उपकार तुम्हारा है
आँखों में चमकते हैं मुसकान के जो मोती
कुछ और नहीं, माँ तो बस प्यार तुम्हारा है ।

बिन बोले, बिन उपदेश दिये, कर्मों की गीता समझाई
तुमने अपनी दिनचर्या से, पल पल की कीमत बतलाई
जब रुके कदम मन विकल हुआ श्रीहत साहस का स्वर्ण हुआ
माथे पर उत्प्रेरित चुम्बन करती माँ मन में मुसकाई।

मेरी आखों की पीर चुरा कर तुम हँसी वहाँ भर जाती हो
तुम परी हो मेरे सपनों की हर मुश्किल हल कर जाती हो
तुम माँ हो या जादूगरनी, विस्मित हूँ दुर्गम दूरी से
कैसे मेरे अनबोले जख्मों पर मरहम धर जाती हो ।

सौजन्य से रश्मि लालबिहारी,
सीमा अग्रवाल, कोरबा, भारत

OM

SHRADHANJALI YAJNA

in the memory of

Late Mrs. Unoo Bassanti Madhuri Peerthum

"Admi musafir he, ata he jatehe
Raste mein yaadein ch-hor jatahe".

Mrs. Unoo Basanti Madhuri Peerthum, born Bullan was one among the prominent well-wishers. She was always used to paying visits to residents of J. Ballgobeen Ashram of St. Paul with her philanthropic attitude. A retired civil servant, she was the affectionate wife of Shri Satterdeo Peethum, *CSK, Arya Ratna*, Satyadeo for the intimates, Secretary of Arya Sabha Mauritius. Born on 17.7.49 in an aryan family, she had her Vedic groom since her very tender age and grew up in a healthy and spiritual environment. After completing her secondary education, she joined the Civil Service. Her dedicated service led her towards a fruitful career and she retired in 2009 as Senior Clerical Officer. She married to Shri Peerthum 33 years ago. With their union they were endowed with sweet loving daughter.

It is a secret for nobody that Shri Peerthum is a dedicated social worker with selfless aim and he considers this to be his noble mission for his existence devoting his valuable time for the service to the humanity. Chairman and members of various Boards of Management his contribution in different fields of activities cannot be under estimated. Lately, he has been contributing to a number of religious, social, cultural and literary functions. This has been possible for Shri Peerthum to get himself involved in such actions thanks to the close collaboration and unflinching support of his family members and there is no doubt that his exemplary wife, Mrs. Peerthum played an important role in this scenario. If Shri Peerthum is the actor, then Mrs Peerthum is the playback artist endowed with uncommon qualities. The community at large as well as Shri Peerthum is much indebted to this noble soul.

For those who have known Mrs. Peerthum closely can say without hesitation that she was a well cultured lady having a special character and good social behaviour. Always smiling coupled with sweet words she addressed anybody in a civilized manner irrespective of age, caste, colour or creed. Therefore it was quite logical that the Management and staff including residents of J. Ballgobeen Ashram paid a fitting tribute to her and organized a *Shradhanjali Yajna* in her memory on Saturday 11th May, 2013 amidst a host of eminent personalities including Dr. O. N. Gangoo, the President, Secretary and Members of the Managing Committee, Arya Sabha Mauritius, relatives and friends. The ceremony was a solemn one.

May her soul rest in peace and the Almighty give solace to the bereaved family!

S. P. Torul,*P.D.S.M,Arya Bhushan*
Manager, J. Ballgobeen Ashram

OM

ARYA SABHA MAURITIUS

LIST OF SUB-COMMITTEES FOR THE YEAR 2013-2014

S/N	SUB-COMMITTEE	PRESIDENT
1.	Ved Prachar Samiti	Dr. Oudaye Narain GANGOO, *OSK,Arya Ratna*
2.	Mauritius Arya Purohit Mandal	Pt. Dharmendra REECHAYE
3.	Press/Publication Samiti	Dr. Jaychand LALLBEEHARRY
4.	Archive Samiti	Shri Dharamveer GANGOO
5.	Mauritius Arya Mahila Mandal	Smt. Suttee RAMPHUL
6.	Aryan Women Welfare Assoc.	Smt. Ratnabhooshita PUCHOOA,*MA,PGCE*
7.	Mauritius Arya Yuvak Sangh	Smt Purnima SOOKUN
8.	Sangeet Samiti	Shri Bisnoodave BISSESSUR
9.	Dhruvanand Pustakalaye	Shri Bissessur RAKHAL,*Arya Ratna*
10.	Hindu Education Authority	Shri Satterdeo PEERTHUM, *O.S.K, C.S.K, Arya Ratna*
11.	D.A.V. College (Port Louis)	Shri Moonindranath VARMA,*MBE*
12.	D.A.V. College (Morc. St. Andre)	Dr. Roodrasen NEEWOOR, *G.O.S.K, Arya Bhushan*
13.	Vidya Samiti	Shri Prabhakar JEEWOOTH
14.	Examinations Board	Shri Dharamveer GANGOO
15.	Gayasingh Ashram Samiti	Shri Ravindrasingh GOWD
16.	J. Ballgobeen Ashram Samiti	Shri Satterdeo PEERTHUM, *O.S.K, C.S.K, Arya Ratna*
17.	Moonsamy Ashram Samiti	Shri Anand CHUMMUN
18.	Sangram Sewa Sadan Samiti	Dr. Roodrasen NEEWOOR,*G.O.S.K, Arya Bhushan*
19.	Sthir Nidhi & Senior Citizens	Shri Rajendra Parsad RAMJEE, *M.S.K, Arya Bhushan*
20.	Jaydad and Building	Shri Geerjanand TEELUCK
21.	Dr. Chiranjiv Bhardwaj Ashram	Shri Abhaydeo RAMROOP
22.	Foolbasseea Babooram Sewa Ashram	Shri Rajendra Parsad RAMJEE, *M.S.K, Arya Bhushan*
23.	Dharmarya Samiti	Pt. Manickchand BOODHOO
24.	Foyer Trochetia Ashram	Shri Satterdeo PEERTHUM,*O.S.K, C.S.K, Arya Ratna*
25.	DAV Degree College Samiti	Dr. Roodrasen NEEWOOR,*G.O.S.K, Arya Bhushan*
26.	Shri Maigraj Goomany Educational Centre	Shri Satyadev Peerthum, *O.S.K, C,S.K, Arya Ratna*
27.	Health & Vegetarian Association	Shri Bholanath JEEWUTH
28.	Disciplinary Committee	Smt. Purnima SOOKUN (Barrister)
29.	LPG Special Needs School	Shri S.P. TORUL,*PDSM,Arya Bhushan*
30.	Pre-primary School Committee	Shri Prabhakar JEEWOOTH
31.	Planning/Finance Committee	Shri Bholanath JEEWUTH
32.	Savanne Arya Jila Samiti	Shri Bagwandass BOOLAKY
33.	Riviere du Rempart Arya Jila Samiti	Smt. Suttee RAMPHUL
34.	Plaines Wilhems Arya Jila Samiti	Shri Ravindrasingh GOWD
35.	Grand Port Arya Jila Samiti	Shri Dharamveer GANGOO
36.	Flacq Arya Jila Samiti	Smt. Dhanwantee RAMCHURN, *M.S.K, Arya Bhushan*
37.	Port Louis Arya Jila Samiti	Shri Benyram CHOORAMUN
38.	Moka Arya Jila Samiti	Shri Balchan TANAKOOR,*PMSM,Arya Bhushan*
39.	Pamplemousses Arya Jila Samiti	Shri Geerjanand TEELUCK
40.	Black River Arya Jila Samiti	Shri Rajendra Prasad RAMJEE, *MSK,Arya Bhushan*